04 - सरकारी डॉक्टरों की रिटायरमेंट उम्र बढ़ाने की जरूरत

05 - न्यायपालिका के पास समाज में बड़े बदलाव की क्षमता

A Daily News Magazine
इंदौर
मंगलवार, 24 सितम्बर , 2024

06 - स्कूल के रूटिंग स्वास्थ्य परीक्षण में 10वीं की छात्रा निकली गर्भवती...

07- सामाजिक सरोकारों के लिए है, 'राष्ट्रीय सेवा...

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 327, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

पीछे है उजाला तो अंधेरा मेरे आगे
इस मोड़ से साया भी न होगा मेरे आगे
अब और ज़ियादा कहूं क्या नामे वफ़ा पर
होता रहा है रोज़ तमाशा मेरे आगे
औरत के हवाले से मैं ये पूछ रही हूं
दुनिया मेरे पीछे है या दुनिया मेरे आगे
क्या यूं ही भटकना है सराबों में मुझे और
क्या यूं ही रहेगा कोई सहरा मेरे आगे
तस्वीर बनानी थी मुझे इश्क़ की लेकिन
आया ही नहीं कोई भी चेहरा मेरे आगे
आवाज़ में लरज़िश है, बड़ा रंज है रुख़ पे
क्या हाल है खुद देख ले तेरा मेरे आगे
मिल जाएगा क्या मिल के समंदर से जो पूछा
गुस्से में बिफरता रहा दरिया मेरे आगे

- मनस्वी अपर्णा

प्रसंगवश

हरियाणा- कांग्रेस का दलित चेहरा शैलजा क्यों हैं चुनाव प्रचार से दूर

सुशील मानव

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और सिरसा से सांसद कुमारी शैलजा पिछले तीन दिनों से हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के प्रचार अभियान से गायब हैं, जिससे राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है। पार्टी में सबसे वरिष्ठ दलित चेहरों में से एक, वे राज्य के कई विधानसभा क्षेत्रों में प्रभाव रखती हैं।

शैलजा, जो कांग्रेस की महासचिव भी हैं, बुधवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा घोषणापत्र जारी किए जाने के कार्यक्रम में शामिल नहीं हुईं और हाल ही में वे ज़मीनी स्तर पर प्रचार भी नहीं कर रही हैं। इसके अलावा, एक्स पर सक्रिय रहने वाली शैलजा ने पिछले तीन दिनों में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर केवल दो बार पोस्ट किया है। उन्होंने 18 सितंबर को कांग्रेस द्वारा हरियाणा के लिए सात गारंटियों का स्क्रीनशॉट और एक दिन बाद बिहार में दलितों के घरों में आगजनी की घटनाओं का वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने 19 सितंबर को अपनी पोस्ट में लिखा, ÷बिहार के नवादा में 80-दलितों के घरों में आगजनी और गोलीबारी की घटना दर्शाती है कि आज भी दलित समाज में हाशिए पर है।÷

राज्य के लिए कांग्रेस की रणनीति तय करने में कभी अहम भूमिका निभाने वाली शैलजा के इस महत्वपूर्ण मोड़ पर पीछे हटने से कांग्रेस में अंदरूनी कलह की अटकलें तेज़ हो गई हैं। उनकी चुप्पी पार्टी की चुनावी संभावनाओं पर नकारात्मक असर डाल सकती है, जिससे पार्टी वोटों को एकजुट करने में विफल हो सकती है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि वे हरियाणा चुनाव के लिए टिकट वितरण को लेकर असंतुष्ट हैं। कुमारी शैलजा कथित तौर पर कांग्रेस पार्टी द्वारा दरकिनार महसूस कर रही थीं, क्योंकि उनके और रणदीप सुरजेवाला के नेतृत्व वाले खेमे ने विधानसभा चुनाव के लिए 90 में से केवल 13 टिकट हासिल किए, जिनमें मौजूदा विधायकों के टिकट भी शामिल हैं। हालांकि शैलजा ने इन अटकलों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हरियाणा में 90-विधानसभा सीटों में से 17 सीटें एससी उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं और शैलजा का सिरसा और फतेहाबाद विधानसभा सीटों पर काफी प्रभाव है।

कांग्रेस पार्टी के सूत्रों ने बताया कि शैलजा ने अपने खेमे के लिए 30 से 35 सीटों का अनुरोध किया था। हालांकि, कांग्रेस आलाकमान ने भूपेंद्र सिंह हुड्डा खेमे को 72 टिकट आवंटित किए। शैलजा अपने करीबी सहयोगी डॉ. अजय चौधरी को नारनौंद विधानसभा सीट से टिकट दिलाने में भी विफल रहीं। टिकट वितरण के आखिरी दिन नारनौंद में कांग्रेस प्रत्याशी जस्सी पेटवाड़ के नामांकन कार्यक्रम के दौरान एक कांग्रेस कार्यकर्ता ने शैलजा पर जातिवादी टिप्पणी की। शैलजा पर की गई टिप्पणी से दलित समुदाय काफी आहत हुआ और बाद में पेटवाड़ के समर्थक पार्टी कार्यकर्ता के खिलाफ नारनौंद थाने में मामला दर्ज किया गया। अब हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी समेत भाजपा के नेता कांग्रेस पर दलित विरोधी भावनाएं भड़काने का आरोप लगा रहे हैं।

शैलजा पर जातिवादी टिप्पणी के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने उनके समर्थन में बयान दिया। उन्होंने कहा, वे हमारी बहन जैसी हैं और कांग्रेस में एक सम्मानित नेता हैं। अगर कोई ऐसी टिप्पणी करता है, तो कांग्रेस में उसकी कोई जगह नहीं है। विपक्षी दल जानबूझकर समाज को बांटने की साजिश कर रहे हैं।

हालांकि, सेंटर फॉर स्टडीज ऑन डेमोक्रेटिक सोसाइटीज (सीएसडीएस) की शोधकर्ता ज्योति मिश्रा ने बताया कि हरियाणा चुनाव से पहले कांग्रेस कार्यकर्ता द्वारा शैलजा पर सार्वजनिक हमला गंभीर परिणाम ला सकता है। कुमारी शैलजा ने हरियाणा में दलित समुदाय के प्रतिनिधि के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली हैस वे भारी अंतर से जीतकर 2024 के लोकसभा चुनाव में एक शक्तिशाली नेता के रूप में उभरी हैं। उनकी जीत ने न केवल उनकी अपील को बल्कि मतदाताओं, खासकर दलितों और अन्य वंचित समुदायों के बीच उनके जुड़ाव की क्षमता को भी प्रदर्शित किया है। हरियाणा में 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान दलित मतदाताओं से कांग्रेस को मिले भारी समर्थन में यह संबंध परिलक्षित हुआ। शैलजा के प्रति उनकी पार्टी के भीतर सार्वजनिक अनादर से दलित मतदाताओं के कांग्रेस से अलग होने का खतरा है, जो उन्हें अपने राजनीतिक सशक्तिकरण के प्रतीक के रूप में देखते हैं। पार्टी द्वारा हुड्डा खेमे के बजाय शैलजा खेमे के पसंदीदा लोगों को टिकट देने से शैलजा के वफादार समर्थकों में नाराज़गी और बढ़ गई है। अगर स्थिति को खराब तरीके से संभाला गया तो यह हरियाणा कांग्रेस में एकजुटता को खत्म कर सकता है और विपक्षी दलों को फायदा पहुंचा सकता है।

उन्होंने कहा, कांग्रेस नेतृत्व इस आंतरिक संघर्ष को कैसे संभालता है, यह पार्टी की चुनावी सफलता के लिए महत्वपूर्ण होगा, खासकर राज्य भर के प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में शैलजा के मजबूत समर्थन को देखते हुए।

हरियाणा कांग्रेस दो गुटों में बंटी हुई है – एक गुट भूपेंद्र सिंह हुड्डा और उनके बेटे दीपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में है और दूसरा गुट जो पहले रणदीप सुरजेवाला और किरण चौधरी के नाम से शाहरुख के नाम से जाना जाता था और अब शैलजा के साथ गठबंधन कर रहा है। हरियाणा कांग्रेस की एक और प्रमुख हस्ती किरण चौधरी हुड्डा के दबदबे के कारण पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गई थीं। इसके बाद, पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह को अक्सर शैलजा के खेमे में देखा गया है। चुनावी दौरे से पहले प्रचार पोस्टर और बयानों में दोनों खेमों के बीच तनाव साफ देखा जा सकता है। कुमारी शैलजा ने एक पोस्टर जारी किया, जिससे हलचल मच गई, क्योंकि उसमें भूपेंद्र हुड्डा और प्रदेश पार्टी अध्यक्ष उदयभान की तस्वीरें नहीं थीं। इस घटना ने अंदरूनी गुटबाजी को और उजागर कर दिया।

कांग्रेस पार्टी के भीतर सीएम की कुर्सी के लिए जंग भी छिड़ गई. भूपेंद्र हुड्डा के गुट ने जहां 'हरियाणा मांगे हिसाब' अभियान शुरू किया, वहीं कुमारी शैलजा ने 'कांग्रेस संदेश यात्रा' की घोषणा की। 27 जुलाई को शैलजा ने अपने अभियान की शुरुआत करने के लिए सोशल मीडिया पर एक पोस्टर शेयर किया। उनके इस कदम से विवाद शुरू हो गया क्योंकि पोस्टर में रणदीप सुरजेवाला और बीरेंद्र सिंह को प्रमुखता दी गई थी और भूपेंद्र हुड्डा और उदय भान को नहीं दिखाया गया। हुड्डा गुट ने इस पोस्टर को लेकर कांग्रेस आलाकमान से शिकायत की, जिसके बाद शैलजा ने एक और पोस्टर जारी किया जिसमें उनकी और भान की तस्वीरें शामिल थीं।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

धरती पर मंडराते खतरों पर यूएन में बैठक

इंसानों की जगह लेती मशीनें समुद्र में समाती दुनिया

मोदी-बाइडेन समेत 193 लीडर्स शामिल हुए

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) 6 सालों के भीतर 30 करोड़ लोगों की नौकरियां खा सकती है। यानी जो काम आज 30 करोड़ लोग कर रहे हैं वो 2030 तक मशीनें करने लगेंगी।

2050 तक भारत के कोलकाता समेत दुनिया के 13 बड़े शहर पूरी तरह समुद्र में समा चुके होंगे। पिछले 16 सालों में दुनिया की शांति घटी है। 2023 में दुनिया में 155 देशों में मानवाधिकारों का उल्लंघन हुआ। दुनिया में औरतों के साथ होने वाले भेदभाव को खत्म होने में 286 साल लगेंगे।

एआई क्लाइमेट चेंज, मानवाधिकारों और ग्लोबल उन 5 मुद्दों में हैं, जिन पर प्रधानमंत्री मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन यूएन के 193 देशों के लीडर्स की बैठक कर रहे थे। इसे समिट फॉर फ्यूचर नाम दिया गया है।

सूरत ट्रैक साजिश केस में रेलवे का ही कर्मचारी गिरफ्तार

सूरत (एजेंसी)। गुजरात के सूरत में रेलवे ट्रैक से फिश प्लेट और 71 कीज हटाने के मामले में नया खुलासा हुआ है। जांच में पता चला कि इसकी सूचना देने वाला की-मैन ही इसका आरोपी निकला। दरअसल, की-मैन सुभाष कुमार ने कबूला कि उसने प्रमोशन पाने के लिए यह साजिश रची थी। घटना 20 सितंबर की है।

चाइल्ड पोर्नोग्राफी पर सुप्रीम कोर्ट ने पलटा मद्रास हाई कोर्ट का निर्णय?

चाइल्ड पोर्नोग्राफी देखना डाउनलोड करना अपराध

कहा- अदालतें इस शब्द का इस्तेमाल भी न करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि चाइल्ड पोर्नोग्राफी डाउनलोड करना और देखना पास्को और आईटी एक्ट के तहत अपराध है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को खारिज करते हुए फैसला सुनाया।

मद्रास हाईकोर्ट ने कहा था कि अगर कोई ऐसा कंटेंट डाउनलोड करता और देखता है, तो यह अपराध नहीं, जब तक कि नीयत इसे प्रसारित करने की न हो। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे कंटेंट का स्टोरेज, इसे डिलीट ना करना और इसकी शिकायत ना करना बताता है कि इसे प्रसारित करने की नीयत से स्टोर किया गया है।

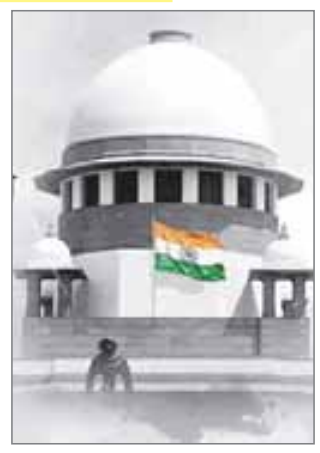

जस्टिस जेबी पारदीवाला ने कहा-

चाइल्ड पोर्नोग्राफी की जगह चाइल्ड सेक्शुअल एक्सप्लॉएटेटिव एंड एब्यूसिव मटेरियल शब्द का इस्तेमाल किया जाए। केंद्र सरकार अध्यादेश लाकर बदलाव करे। अदालतें भी इस शब्द का इस्तेमाल न करें। हम संसद को सुझाव देते हैं कि पास्को एक्ट में बदलाव करें और इसके बाद पोर्नोग्राफी शब्द की जगह चाइल्ड सेक्शुअली एब्यूसिव एंड एक्सप्लॉइटेटिव मटेरियल का इस्तेमाल किया जाए। इसके लिए अध्यादेश भी लाया जा सकता है। सीएसईएएम शब्द सही तरीके से बताएगा कि यह महज अश्लील कंटेंट नहीं, बच्चे के साथ हुई घटना का एक रिकॉर्ड है। वो घटना जिसमें बच्चे का यौन शोषण हुआ या फिर ऐसे शोषण को विजुअली दिखाया गया हो। बच्चों के खिलाफ अपराध सिर्फ यौन शोषण तक ही सीमित नहीं रहते हैं। उनके वीडियो, फोटोग्राफ और रिकॉर्डिंग के जरिए ये शोषण आगे भी चलता है।

तिरुपति लड्डू विवाद-

8 पुजारियों ने पंचगव्य से शुद्ध किया तिरुपति मंदिर

- **प्रसाद बनाने वाली रसोई को दूध-दही और गोमूत्र से शुद्ध किया**

हैदराबाद (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर (तिरुपति मंदिर) की शुद्धि के लिए महाशांति यज्ञ किया गया। सोमवार को सुबह 6 से 10 बजे तक चले पंचगव्य प्रोक्षण (शुद्धिकरण) में तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) बोर्ड के अधिकारी समेत 20 पुजारी शामिल हुए। अनुष्ठान में लड्डू और अन्नप्रसादम रसोई की पंचगव्य शुद्धि की गई। आंध्र के सीएम सीएम चंद्रबाबू नायडू की पार्टी टीडीपी ने 18 सितंबर को आरोप लगाया कि राज्य में YSR कांग्रेस की सरकार के कार्यकाल में तिरुपति मंदिर में मिलने वाले लड्डू (प्रसादम्) में जानवरों की चर्बी वाला घी और फिश ऑयल मिलाया गया था। इसके अगले दिन टीडीपी ने एक लैब रिपोर्ट दिखाकर अपने आरोपों की पुष्टि का दावा किया।

इधर, श्री ललिता पीठम, वशिष्ठाश्रम, श्रीनिवास मंगापुरम में विश्व हिंदू परिषद बैठक चल रही है। इस बैठक में मंदिरों को सरकारी कंट्रोल से आजादी दिलाने और धर्म परिवर्तन के मुद्दे पर भी चर्चा की जा रही है। राज्य सरकार ने तिरुपति मंदिर के लड्डुओं की जांच के लिए एसआईटी बना दी है। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि एसआईटी की रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई होगी।

आगामी त्यौहारों को देखते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने

प्रदेश के सभी देवालय एवं मंदिरों में यथायोग्य प्रबंधन करने के निर्देश दिए

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि धार्मिक भावनाओं और परम्पराओं के अनुरूप आने वाले नवरात्रि एवं दशहरा पर्व के आयोजन के लिए समुचित प्रबंध किये जाये। प्रदेश के सभी देवालय एवं मंदिरों में यथायोग्य प्रबंधन करने जिला प्रशासन सक्रियता से कार्य करें। उन्होंने कहा कि इस वर्ष का दशहरा और भी आनंदमयी होगा, क्योंकि अयोध्या में भगवान श्रीराम के मंदिर की स्थापना के बाद यह पहला दशहरा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्राद्ध पक्ष की समाप्ति के बाद आगामी 3 अक्टूबर से नवरात्रि का पर्व आरंभ होने जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की तीसरी बार की सरकार और हमारी सरकार के माध्यम से प्रारंभ कार्यों के साथ हम धूमधाम से नवरात्रि का पर्व मनाएंगे।

नवरात्रि पर्व धूमधाम एवं भाईचारे की भावना के साथ मनाया जाए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मैहर में शारदा माँ, दतिया का पीताम्बरा पीठ, नलखेड़ा की बगलामुखी माता, उज्जैन की हरसिद्धि माता, विदिशा की चेतनपुर की माता जी सहित अन्य धार्मिक स्थान पर परिक्रमा स्थल एवं आने-जाने वाले मार्गों के मरम्मत कार्य तत्काल पूरे किये जायें। पूरा करें, मार्ग पर पर्याप्त विद्युत व्यवस्था, पेयजल एवं पुलिस महकमा मुस्तैदी से सुरक्षा व्यवस्था का इंतजाम करें। धार्मिक स्थलों एवं उसके आसपास भी किसी भी प्रकार के असामाजिक तत्व या उनकी गतिविधियां बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि यथायोग्य प्रबंधन कर इस वर्ष नवरात्रि का पर्व धूमधाम एवं भाईचारे की भावना के साथ मनाया जाए। हमारी प्राचीन एवं सनातनी परम्परा के अनुरूप हर आयोजन शांति और सद्भाव के साथ मनाए जाएंगे।

गुणवत्तापूर्ण हो देवीलोक का निर्माण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह हमारा प्रयास होना चाहिए कि इन त्यौहारों को मनाने के पीछे आमजन की मूल धार्मिक भावना आहत न हो है। शक्ति स्वरूप देवी माँ हमको आशीर्वाद दें ताकि सभी सतकर्म कर अच्छे मार्ग पर चल सकें। प्रदेश में देवी लोकों में निर्माण के विविध कार्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे हैं। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिये। देव स्थानों पर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को सभी प्रकार की सुविधाएं प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि सितम्बर माह से हिंदू परम्परा के अनुसार धार्मिक पर्वों का त्रैमास प्रारंभ हो जाएगा। गणेश चतुर्थी, नवरात्रि, दशहरा और दीपावली और क्रिसमस जैसे पर्वों के क्रमबद्ध आने से प्रदेश में धार्मिक माहौल और उत्सव का वातावरण प्रारंभ हो जाता है।

पीएम मोदी ने विकसित भारत के लिए नागरिकों के समग्र विकास का किया है कार्यः उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि विकसित भारत के लिए स्वस्थ भारत मूलभूत कड़ी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत के लिए समस्त नागरिकों के समग्र विकास के लिए कार्य किया है। स्वास्थ्य, शिक्षा, कुशलता, रोजगार-स्वरोजगार के अवसर सभी क्षेत्रों में जन-हितकारी योजनाओं से सभी नागरिकों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा गया है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सिविल अस्पताल डॉ. कैलाशनाथ काटजू भोपाल में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के 6 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयुष्मान पखवाड़े का औपचारिक शुभारंभ किया।

बुजुर्ग नागरिकों के योगदान का सम्मान- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग नागरिकों को आयुष्मान भारत योजना में शामिल किया है। उन्होंने कहा कि देश के हर नागरिक की प्रधानमंत्री श्री मोदी चिंता करते हैं। बुजुर्ग नागरिकों ने देश के निर्माण में सहभागिता की है, उनके योगदान का सम्मान किया गया है। अब बुजुर्ग नागरिकों के इलाज का खर्चा सरकार वहन करेगी।

4 करोड़ 70 लाख नागरिक हो रहे हैं लाभान्वित- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना में मध्यप्रदेश के 1 करोड़ 8 लाख पात्र परिवारों के 4 करोड़ 70 लाख नागरिक लाभान्वित हो रहे हैं। हाल ही में, मध्य प्रदेश ने 4 करोड़ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। पात्र परिवारों में 99.81 प्रतिशत का कम से कम एक आयुष्मान कार्ड बनाया जा चुका है। विशेष रूप से पिछड़ी जनजातियों जैसे बैगा, भारिया और सहरिया नागरिकों के आयुष्मान कार्ड मिशन मोड में बनाए जा रहे हैं।

22 लाख से अधिक हितग्राहियों का निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण उपचार- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि 22 लाख से अधिक हितग्राही इस योजना में निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण उपचार से लाभान्वित हुए हैं। राज्य में 1,000 से अधिक अस्पताल इस योजना में संबद्ध हैं। योजना में 7 हज़ार 200 करोड़ रुपये से 45 लाख पीड़ितों के उपचार का अनुमोदन किया गया हैं।

> जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
>
> चाणक्य नीति

बघेल खंड के आद्य संपादक लाल बलदेव सिंह के सम्मान में सभागार का नामकरण

विजयदत्त श्रीधर

विध्य के हृदय स्थल रीवा में माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय भोपाल का सर्व सुविधा युक्त भव्य परिसर आकार ले चुका है। विश्वविद्यालय के सभागार का नाम बघेलखंड के आद्य संपादक लाल बलदेव सिंह के यशस्वी अवदान के सम्मान में 'लाल बलदेव सिंह सभागृह' किया गया है। विश्वविद्यालय के विगत दिवस संपन्न कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने इस संकल्प की घोषणा की। संपूर्ण बघेलखंड में कलम के इस महान पुरखे की स्मृति को अक्षुण्ण बनाने की पहल का सगर्व स्वागत किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि लाल बलदेव सिंह विध्य अंचल के आद्य संपादक है। वे जनपक्षधरता की पत्रकारिता के पुरोधा थे। लोकतंत्र के आधारभूत सिद्धांतों के विलक्षण व्याख्याकार थे। राज्य के निर्णयों में लोकहितैषिता के प्रबल समर्थक थे। यदि कोई निर्णय जनसाधारण के हितों और अधिकारों के विरुद्ध होता था तब वे पुरजोर विरोध करने से पीछे नहीं हटते थे। उनका संपादन काल (1887-1902) तत्कालीन परिस्थितियों के दृष्टिगत निश्चित रूप से क्रान्तिधर्मी रहा है।

लाल बलदेव सिंह का जन्म बसंत पंचमी, विक्रम संवत् 1925 (फरवरी, 1869 ई) को रीवा राज्य के ग्राम देवराजनगर में हुआ। 35 वर्ष की अल्पायु में सन् 1903 में आपका देहावसान हुआ। कलकत्ता विश्वविद्यालय में अध्ययन करते हुए आपका रुझान मुद्रण कला और पत्र संपादन की ओर हुआ। परीक्षा के बाद वे अपने साथ मुद्रणालय लेकर रीवा लौटे। अप्रैल 1887 में उन्होंने रीवा में भारतभ्राता मुद्रणालय की स्थापना की। पाक्षिक पत्र 'भारतभ्राता' का संपादन-प्रकाशन आरंभ किया। भारतभ्राता का ध्येय उद्घोष था-

÷लसत श्याम अभिराम के, मुदित कृपा सर्वत्र। मुदि दाता त्राता सुमति भारत भ्राता पत्र।

लाल बलदेव सिंह रीवा राज्य के सेनापति थे और कलमकार भी थे। उन्होंने एक हाथ में कलम और दूसरे हाथ में तलवार का अद्भुत संयोग रचा था। लाल बलदेव सिंह प्रखर बौद्धिक थे। आपकी जन्म शताब्दी 22 जनवरी, 1969 को पूर्ववर्ती विध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष रहे विद्वान शिवानंद के संयोजन में मनाई गई थी। उस अवसर पर प्रकाशित परिचय पुस्तिका में लाल बलदेव सिंह के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का प्रामाणिक वृत्तांत नई पीढ़ी को मिला था। यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि लाल बलदेव सिंह की कीर्ति को विस्मृति से उबार कर जनसाधारण तक पहुँचाने का दायित्व शिवानंद जी ने निभाया।

भारतभ्राता संपादक लाल बलदेव सिंह

बघेलखंड का प्रथम समाचारपत्र भारतभ्राता, रीवा, 1887

सन 1901 की जनगणना के लिए लाल बलदेव सिंह रीवा राज्य के प्रभारी अधिकारी थे। रीवा में भारतभ्राता पुस्तकालय की स्थापना लाल बलदेव सिंह ने की। रीवा राज्य में सन 1897-99 के घोर अकाल में पीड़ितों को राहत और सहायता पहुँचाने का कर्त्तव्य आपने कुशलतापूर्वक निभाया।

सन 1895 में रीवा राज्य का काम काज उर्दू में किए जाने की अव्यावहारिक रीति-नीति को हटाकर देवनागरी लिपि और हिन्दी भाषा में आरंभ कराने का श्रेय लाल बलदेव सिंह को है। भारतभ्राता के सन 1895 के वार्षिक अंक में लाल बलदेव सिंह का भाषा-चिंतन इन शब्दों में प्रकट हुआ हिन्दी की दीन-हीन दशा सर्व साधारण पर भली-भाँति विदित है। सम्प्रति इसके पाठक गणों की जैसी रुचि और प्रेम हिन्दी भाषा-विषयक ग्रंथों तथा समाचारपत्रों के पठन-पाठन की ओर है, उसे अवलोकन कर, कदापि कोई भलाई की आशा नहीं कर सकता है। अतिरिक्त इसके सरकारी कर्मचारी की क्रूर दृष्टि समाचारपत्रों पर कितनी अधिक है कि जिससे उन्हें एक दिन सकुशल व्यतीत करना एक-एक कल्प के समान होता है। सरकारी नीति की बेड़ी पाँव में इस प्रकार भरी हुई है कि पाँव का हिलना तक कठिन है।÷

आज राजनीति और समाजनीति में जिस तरह धरती पुत्रों के अधिकार पर जोर दिया जाता है, यह न्यायपूर्ण और तर्कसंगत अवधारणा 24 मई, 1895 के भारतभ्राता में लाल बलदेव सिंह की संपादकीय टिप्पणी में ध्यातव्य है राज स्थान में योग्य कर्मचारियों की आवश्यकता जिसको 5 रु. मासिक भी न देना चाहिये, क्यो राज स्थान से उसे राजे-महाराजे अथवा राज्य के संरक्षक 50 रु. दिला देते है? क्या देशी राज स्थान गवर्नमेंट का मुँह देखकर 5 की जगह 50 फेंकते हैं। क्या वे गवर्नमेंट के वाक्य को आदर्श वाक्य मानते है? गवर्नमेंट यदि किसी अयोग्य व्यक्ति को भी योग्य लिखकर भेज देती है तो उसे सच ही मानकर स्वीकार कर लेते हैं। गवर्नमेंट से प्रार्थना करने के अतिरिक्त स्वयं भी वे बहुत से परदेशियों को बुलाते हैं, और उन्हें राज्य सेवा देते हैं। देशी राजा-महाराजाओं को अपनी अधीनस्थ प्रजा की दीन-दशा पर अवश्य ध्यान देना चाहिए और उनका स्वत्व देखना चाहिए कि वे राज्य सेवा के लिए किस पद के योग्य योग्यता रखते हैं। योग्यता के अनुसार उन्हें कार्य सौंपना, उचित वेतन देना और भली-भाँति राज्य कार्य लेना निःसन्देह आवश्यक है। राज्य की प्रजा में शिक्षा अनिवार्य कर दी जाए और उन्हें राजनैतिक आदि प्रत्येक विषय की शिक्षा दी जाय।

जनसाधारण के हितों के लिए भारतभ्राता संपादक लाल बलदेव सिंह की सोच कितनी प्रखर और मुखर थी, इसका एक उदाहरण है- %कचहरियों में अर्जी ÷स्टैम्प टिकट लगाकर अर्जी देने की जो आज्ञा हुई है, इससे निश्चय ही प्रजा को बड़ी भारी हानि पहुँच रही है। बहुधा ऐसे लोग हैं, जिन्हें अवसर पर एक पैसा मिलना बहुत ही कठिन है। इसके अतिरिक्त यहाँ की सरकार ने यह आज्ञा दी है कि अर्जीनवीसों से अपनी अर्जी लिखवाकर न्यायालय में नहीं देंगे, उनकी अर्जी नहीं ली जाएगी। विचाराधीन बात है कि दीन मनुष्य अर्जी की लिखाई और फिर उसमें स्टैम्प का व्यय क्यों कर दे सकता है। इसका तात्पर्य उनका मुँह बन्द करना है। जो वास्तव में उसके ऊपर अत्याचार है। शीघ्र ही सरकार को यह आज्ञा उठा लेनी चाहिए।

भारत के सर्वमान्य नेता दादाभाई नौरोजी को जब ब्रिटेन की संसद का सदस्य चुना गया, तब लाल बलदेव सिंह ने भारतभ्राता में संपादकीय टिप्पणी लिखी। लोकतंत्र की समझ और उसके मर्म की व्याख्या का यह उत्कृष्ट उदाहरण है। दादाभाई नौरोजी ब्रिटिश संसद के लिए फिन्सबरी निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए थे। वे लिखते हैं- मिस्टर दादाभाई नौरोजी को हमारी सलाह की आवश्यकता नहीं है तो भी अपना धर्म समझ कर हम इतना कहना आवश्यक समझते हैं कि उनका प्रथम ध्यान फिन्सबरी निवासियों के कार्य की ओर होना चाहिए जिनके कि वे वास्वविक मेम्बर हैं। तत्पश्चात उनकी आज्ञा लेकर के यथासंभव उन्हें अपने देश की दशा पर भी अवश्य ही ध्यान देना उचित है।

हिन्दी और समग्र भारतीय पत्रकारिता के ऐसे महान पुरखे की स्मृति को अक्षुण्ण बनाना वर्तमान पीढ़ी का पवित्र कर्तव्य है। माधवराव सप्रे स्मृति समाचारपत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान, भोपाल प्रतिवर्ष लाल बलदेव सिंह की स्मृति में पत्रकारिता के लिए पुरस्कार / सम्मान का संचालन कर रहा है। सप्रे संग्रहालय की यह भी कोशिश रही है कि रीवा में लाल साहब की स्मृति में कोई उपयुक्त स्मारक स्थापित हो। रीवा के मुखर पत्रकार श्री जयराम शुक्ल इस अभियान में सहभागी रहे है। हम आभारी हैं उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल के जिन्होंने हमारे अनुरोध पर लाल बलदेव सिंह की स्मृति को अक्षुण्ण बनाने का निर्णय लिया। उसी का परिणाम है कि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार संस्थान, भोपाल के रीवा परिसर में निर्मित आधुनिक सभागार का नामकरण लाल बलदेव सिंह सभागार किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

केजरीवाल के लिए खाली कुर्सी रखकर आतिशी ने संभाला दिल्ली की सीएम का कार्यभार

- कहा- जैसे भरत ने खड़ाऊं रखकर सिंहासन संभाला, मैं दिल्ली संभालूंगी
- भाजपा बोली- चापलूसी नहीं, काम करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की नई मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार (23 सितंबर) को पदभार संभाल लिया। वह सुबह 12 बजे सीएमऑफिस पहुंची और औपचारिकताएं पूरी कीं। इस दौरान आतिशी ने सीएम ऑफिस में एक खाली कुर्सी छोड़ी दी और खुद दूसरी कुर्सी पर बैठीं। आतिशी ने कहा- जैसे राम के वनवास जाने के बाद भरत ने खड़ाऊं रखकर अयोध्या का सिंहासन संभाला, मैं उसी तरह दिल्ली सीएम की कुर्सी संभालूंगी। 4 महीने बाद दिल्ली के लोग केजरीवाल को फिर से इसी कुर्सी पर बैठाएंगे। तब तक ये कुर्सी इसी कमरे में रहेगी और केजरीवाल जी का इंतजार करेगी।आतिशी के बयान पर दिल्ली भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा-चापलूसी नहीं करें, काम पर ध्यान दे। यह कोई आदर्श नहीं हैं। सीधी भाषा में चापलूसी है।

कौशांबी में टीचर ने छठी के स्टूडेंट को दी ऐसी सजा, खो दी आंखों की रोशनी

क्रूरता की पार की हद

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कौशांबी में शिक्षक की क्रूरता का मामला सामने आया है। विकास खंड मंझनपुर के एक उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य ने छात्र के साथ क्रूरतापूर्ण व्यवहार किया है। दरअसल, शिक्षक ने बच्चे पर डंडा फेंक कर मारा था। इससे छात्र ने आंखों की रोशनी खो दी। दो बार ऑपरेशन के बाद जब चिकित्सकों ने हाथ खड़े कर दिए तो पीडित मां ने न्याय की गुहार के लिए सीडब्लूसी का दरवाजा खटखटाया।

राहुल गांधी बोले-56 इंच की छाती वाले पीएम पहले जैसे नहीं

- मोदी के आत्मविश्वास में कमी आई, यह लोकसभा में साफ दिखता है

श्रीनगर (एजेंसी)। राहुल गांधी ने कहा- भाजपा वाले बांटने का काम करते हैं। जहां भी जाते हैं, एक जात को दूसरी जात से, एक धर्म को दूसरे धर्म से बांटते हैं।
विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी जम्मू-कश्मीर के दौरे पर हैं। राहुल ने

सुरनकोट में कहा- पीएम मोदी के आत्मविश्वास में कमी आई है। आज उनसे जो भी विपक्ष कराना चाहता है, वह कराता है। भाजपा भाई-भाई को लड़वाती है। जो 56 इंच की छाती वाले नरेंद्र मोदी पहले थे, अब वे वैसे नहीं हैं। लोकसभा में उनके सामने खड़ा होता हूं। मुझे साफ दिखता है कि उनका आत्मविश्वास खत्म हो गया है। वे कानून लाते हैं, हम उनके सामने खड़े हो जाते हैं, वे कानून पास नहीं कर पाते हैं।

कादंबरी सम्मान के लिए विनोद नागर का चयन

भोपाल। राजधानी के वरिष्ठ पत्रकार, लेखक, समीक्षक और स्तंभकार विनोद नागर का चयन संस्कारधानी जबलपुर की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था 'कादंबरी' द्वारा साहित्यकारों और

पत्रकारों को वर्ष 2024 के लिए दिए जाने वाले सम्मान के लिए किया गया है। उन्हें यह सम्मान आगामी 9 नवंबर को जबलपुर में संस्था द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में प्रदान किया जायेगा। संस्था के महासचिव पाठक 'प्रवीण' के अनुसार सम्मान के लिए श्री नागर का चयन उनकी पुस्तक 'खूब लिखा खूब छपा' के लिए किया गया है।यह पुस्तक लेखक ने मालवांचल के दो ख्यात वरिष्ठ पत्रकारों स्व. जवाहरलाल राठौड़ और स्व शशींद्र जलधारी को समर्पित की है। लेखक की 'विनोद नागर रचना समग्र' सहित अभी तक नौ पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं और तीन अन्य पुस्तकें प्रकाशनाधीन हैं।

मधुमक्खियों के हमले में महिला और 3 बच्चों की दर्दनाक मौत

रांची (एजेंसी)। झारखंड में मधुमक्खियों के हमले में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। यह घटना 21 सितंबर को तुपुदान थाना क्षेत्र में हुई। मृतकों में एक महिला और उनके तीन बच्चे शामिल हैं। मृतका के पति सुनील बारला ने बताया कि उनकी पत्नी अपने बच्चों के साथ अपने मायके गई हुई थी, तभी यह दर्दनाक हादसा हुआ। महिला खूंटी जिले के कर्रा ब्लॉक की रहने वाली थी और तुपुदान थाना क्षेत्र के हरदाग गढ़ा टोली में अपने मायके गई थी।

गडकरी बोले-

चौथी बार सरकार बनने की गारंटी नहीं

लेकिन यह तय है- रामदास अठावले मंत्री बनेंगे, फिर कहा- मजाक कर रहा था

नागपुर (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कल नागपुर में एक कार्यक्रम में कहा- केंद्र में भाजपा चौथी बार सरकार बनाए इसकी कोई गारंटी नहीं है, लेकिन हमारे सहयोगी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के चीफ रामदास अठावले अगली सरकार में मंत्री जरूर बनेंगे।

गडकरी जब यह बोल रहे थे, तब अठावले भी मंच पर मौजूद थे। हालांकि गडकरी ने मुस्कुराते हुए कहा, मैं केवल मजाक कर रहा था।

दरअसल, कार्यक्रम अठावले को सम्मानित करने के लिए था। गडकरी ने उन्हें बाबा साहेब अंबेडकर पुरस्कार से सम्मानित किया। इस दौरान अठावले ने अपने भाषण में कहा था कि उन्हें अब तक 3 बार केंद्र में मंत्री पद मिला है और सरकार

आने पर वह चौथी बार भी मंत्री बनेंगे। इस पर गडकरी ने कहा- अठावले मौसम वैज्ञानिक हैं।अठावले संसद में अपने मजाकिया अंदाज में बोलने के लिए चर्चा में रहते हैं।

कोलकाता हाईकोर्ट बोला, सरकार दुर्गा पूजा कमेटियों को 10 लाख दे

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने सोमवार (23 सितंबर) को ममता सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि दुर्गा पूजा पंडालों के लिए सरकार की तरफ से मिलने वाली 85000 रुपए की रकम मामूली है। आयोजकों का इससे कई गुना तो खर्च हो जाता होगा। सरकार को कम से कम हर दुर्गा पूजा समिति को 10 लाख रुपए की रकम देने पर विचार करना चाहिए। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस टी एस शिवगनम और जस्टिस बिवास पटनायक की बेंच दुर्गा पूजा आयोजकों को दी जाने वाली राशि पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

देश में नहीं थम रहा बारिश का कहर

बिहार में बाढ़, यूनिवर्सिटी की परीक्षाएं टलीं; म.प्र. में आज से बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने से 8 लोगों की मौत हो गई। इनमें 4 बच्चे थे। घटना

छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने से 8 की मौत

सोमवार दोपहर राजनांदगांव जिले में हुई। बिहार में गंगा नदी के जलस्तर बढ़ने के कारण बक्सर, भोजपुर, सारण, वैशाली, पटना, समस्तीपुर, बेगूसराय, लखीसराय, मुंगेर,

खगड़िया, भागलपुर और कटिहार में 12.67 लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित हैं।

बाढ़ के चलते मुंगेर विश्वविद्यालय ने परीक्षाएं स्थगित कर दी है। गंगा के अलावा कोसी, बूढ़ी गंडक, गंडक, घाघरा, पुनपुन और सोन नदी का जलस्तर पिछले 3 दिनों से खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है।

मध्यप्रदेश के भोपाल, इंदौर और जबलपुर में आज हल्की बारिश हो सकती है। यहां आज से 3 दिन तक तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। राज्य में मानसून सीजन में अब तक 41.8 इंच बारिश हो चुकी है।

नासा का हाई अलर्ट

आज रात दुनिया पर पड़ सकती है भारी, धरती पर 72 लाख किमी की रफ्तार से आ रहें हैं दो एस्टेरॉयड

यूएस (एजेंसी)। नासा ने हाई अलर्ट जारी करते हुए बताया कि 24 सितंबर की रात दुनिया पर भारी पड़ सकती है,क्योंकि धरती पर 72 लाख किमी की रफ्तार से तबाही आ रही है। नासा ने हाल ही में चेतावनी दी है कि धरती की ओर दो एस्टेरॉयड, 2020 जीई और 2024 आरओ 11, 72 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहे हैं। ये एस्टेरॉयड 24 सितंबर की रात को धरती के करीब से गुज़रेंगे। हालाँकि, इनसे सीधे टकराने की संभावना नहीं है, लेकिन जब ये पास से गुजरेंगे, तो धरती पर भयंकर कंपन महसूस किया जा सकता है। इससे पहले 15 सितंबर को एस्टेरॉयड 2024 आरएन 16 ने धरती के पास से गुजरा, जिससे एक भयंकर शॉकवेव उत्पन्न हुई, जो 16 मेगाटन ऊर्जा के बराबर थी। वैज्ञानिकों का कहना है कि ऐसी घटनाएं 999 वर्षों में एक बार होती हैं और इससे दुनिया भर में चिंता का माहौल बना हुआ है।

अगर आपके घर-ऑफिस में वेंटिलेशन की अच्छी व्यवस्था नहीं है तो फेफड़ों की बीमारियों के शिकार बन सकते

नईदिल्ली (एजेंसी)। फेफड़ों की बढ़ती बीमारियां चिंताजनक हैं क्योंकि इसके कारण हर साल लाखों लोगों की मौत हो जाती है। लंग्स कैंसर वैश्विक स्तर पर बड़ी चुनौती बनकर उभरा है जो हर साल डेढ़ लाख से अधिक लोगों की जान ले रहा है। अध्ययनकर्ता बताते हैं, इन समस्याओं को काफी हद तक रोका जा सकता है अगर सभी लोग अपने जोखिमों पर ध्यान देते हुए इससे बचाव के लिए निरंतर प्रयास करते रहें।

शोध बताते हैं कि धूम्रपान फेफड़ों की ज्यादातर बीमारियों के लिए प्रमुख कारण है। फेफड़ों के कैंसर से होने वाली 80 प्रतिशत मौतें धूम्रपान से ही संबंधित पाई जाती हैं। इसी तरह से वायु प्रदूषण, विशेषतौर पर इनडोर प्रदूषण भी इस महत्वपूर्ण अंग के लिए खतरनाक हो सकता है।

डॉक्टर बताते हैं, बाहरी प्रदूषण की तरह खराब इनडोर वायु गुणवत्ता भी फेफड़ों की गंभीर समस्याओं, अस्थमा-ब्रोंकाइटिस और यहां तक कि कैंसर का खतरा बढ़ा सकती है। अगर आपके घर-ऑफिस में वेंटिलेशन की अच्छी व्यवस्था नहीं है तो ये फेफड़ों के लिए नुकसानदायक स्थिति हो सकती है।

वेंटिलेशन की कमी खतरनाक

ज्यादातर ऑफिस कांच के शीशों और एयर कंडीशन से पैक होते हैं, लिहाजा इमारतों में उचित वेंटिलेशन की व्यवस्था का अभाव हो सकता है। इसकी वजह से बंद कमरों में ताजी हवा नहीं आ पाती और न ही अंदर की हवा बाहर जा पाती है। इस तरह की स्थितियों में न सिर्फ श्वसन संक्रमण फैलने का खतरा अधिक होता है, साथ ही इससे दीर्घकालिक तौर पर फेफड़ों को भी क्षति पहुंच सकती है। चूंकि अधिकतर लोग अपने दिन का ज्यादातर समय ऑफिस में ही बिताते हैं, ऐसे में इनमें फेफड़ों की समस्याओं का जोखिम और अधिक हो सकता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

श्वसन रोग विशेषज्ञ डॉ अमित प्रकाश बताते हैं, खराब या लो-वेंटिलेशन वाली जगहों पर हवा में 100 गुना अधिक सूक्ष्म कण हो सकते हैं। इनडोर वायु प्रदूषकों के संपर्क में रहने के कारण फेफड़ों में संक्रमण जैसे निमोनिया होने का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा ये शरीर पर तत्काल प्रभाव भी पैदा कर सकते हैं जैसे कि आंखों, नाक और गले में जलन, सिरदर्द, चक्कर आना आदि। अस्थमा या अन्य श्वसन समस्याओं से परेशान रोगियों में इनडोर प्रदूषण लक्षणों को और भी खराब कर सकती है।

महिला पर शराब की बोतल फेंकी

पुलिसकर्मियों ने रोका तो की मारपीट,शासकीय कार्य में बाधा डालने को लेकर कार्रवाई

इंदौर(एजेंसी)। इंदौर के परदेशी पुरा में महिला पर शराब की खाली बोतल फेंकने और आरक्षकों से मारपीट करने के मामले में पुलिस ने एक बदमाश को पकड़ा है। उस पर शासकीय कार्य में बाधा डालने को लेकर कार्रवाई की है।परदेशी पुरा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक आरक्षक नीलम सिंह की शिकायत पर पुलिस ने हेमंत उर्फ राहुल पुत्र पुरुषोत्तम गुर्जर, निवासी अयोध्या नगरी, जनता क्वार्टर के खिलाफ 121(1), 132, 296, 351(2) की धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस का आरोप है कि हेमंत ने शराब पीकर हंगामा किया। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी।नीलम सिंह ने अपनी शिकायत में बताया है कि उनकी आरक्षक ऋषभ के साथ रात 12 बजे से 6 बजे तक बीट में ड्यूटी थी। दोनों रात में करीब 1ः45 बजे गश्त करते हुए तुलसी कॉम्प्लेक्स में पहुंचे। यहां पर शराब के नशे में एक व्यक्ति ने शराब की खाली बोतल एक महिला के पीछे सड़क पर फेंकी। नीलम सिंह ने उसे देखा और साथी आरक्षक के साथ उसके पास पहुंचकर उससे बात की, तब पुलिस की वर्दी में देखकर युवक ने कहा कि तुम मेरा क्या कर लोगे। मौके पर मौजूद लोगों ने भी जब उसे कहा तो वह दोनों आरक्षकों से अपशब्दों का इस्तेमाल करने लगा। उसे हिदायत दी तो युवक कहने लगा कि दोनों की वर्दी उतरवा दूंगा। फिर उसने नीलम सिंह के सीने पर मुक्का मार दिया और कॉलर पकड़कर झूमा-झटकी की। इसके बाद ऋषभ ने पकड़ा तो उसके साथ हुज्जत की। तब वायरलेस पर पाइंट देकर एफआरवी को मौके पर बुलाया गया। यहां गाड़ी से उसे थाने लेकर आया गया। थाने पर नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम हेमंत होने की जानकारी दी। यहां पुलिस ने जमकर उसकी ख़ातिरदारी की है।

परिचित ने किया नाबालिग से रेप, गर्भपात कराना पड़ा

तबीयत बिगड़ी तो अस्पताल लाए परिजन तब पता चला चार माह गर्भ, डॉक्टरों ने पुलिस को दी सूचना

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के एमटीएच अस्पताल में नाबालिग का गर्भपात करने के बाद रेप का केस दर्ज किया गया है। आरोपी परिचित युवक ही था और उसने शादी का कहकर नाबालिग से संबंध बनाए थे। पुलिस ने आरोपी फिरोज खान पर रेप और पॉक्सो एक्ट के तहत केस

दर्ज किया है। तेजाजी नगर पुलिस ने बताया कि उन्हें एमटीएच हॉस्पिटल से सूचना मिली थी। वहां एक नाबालिग की तबीयत बिगड़ने पर उसका गर्भपात किया गया। सूचना मिलने के बाद पुलिस अस्पताल पहुंची और नाबालिग के बयान लिए। उसने पुलिस को बताया कि फिरोज खान उसके इलाके में रहता है। उससे 5 महीने पहले दोस्ती हुई थी। कुछ दिन पहले फिरोज ने उससे कहा कि वह मुझे पसंद करता है और शादी करना चाहता है। मई 2024 में वह दोपहर में घर आया और नाबालिग से जबरदस्ती संबंध बनाए। इसके बाद उसे टाइफाइड हो गया। और तबीयत बिगड़ती गई। इसके चलते मां ने उसे गायनाकोलॉजिस्ट को दिखाया। डॉक्टरों ने पुलिस को बताया कि प्रारंभिक जांच के बाद नाबालिग को चार माह का गर्भ था। लेकिन उसे ब्लीडिंग अधिक होने के कारण हालत गंभीर हो रही थी, इसके चलते गर्भपात करना पड़ा। पुलिस ने बयान के बाद आरोपी फिरोज खान पर रेप और पॉक्सो एक्ट की धाराओं में केस दर्ज किया है।

महू की आर्मी बिल्डिंग में चोरी

21 मोबाइल, लैपटाप और केश ले गए

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के महू आर्मी बिल्डिंग में चोरी की वारदात हो गई। बदमाश यहां से करीब 21 मोबाइल, लैपटॉप और नकदी लेकर भाग गए। पुलिस ने अज्ञात चोरों पर केस दर्ज किया है।महू पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक कैप्टन वी जसंवत पुत्र राजशेखर रेड्डी की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों पर केस दर्ज किया है। सेक्शन कमांडर लाईन इन्फैंट्री स्कूल बिल्डिंग में घुसकर चोरों ने लॉकर से 21 मोबाइल, दो समार्ट वॉच और एक लैपटॉप व 61 हजार रुपए चुरा लिए। कैप्टन ने बताया कि वह आर्मी कैंप से जंगल गए थे। इस दौरान किसी ने वारदात को अंजाम दिया।

इंदौर का युवक काटकूट की कनाड़ नदी में डूबा

खरगोन से बुलाई एसडीआरएफ की टीम, खोजबीन में जुटे थे ग्रामीण

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के एमआईजी इलाके से गणेश विसर्जन के लिये अपने साथियों के साथ गया एक लड़का काटकूट की कनाड़ नदी में डूब गया। उसका सोमवार सुबह तक कोई पता नहीं चला है। बलवाड़ा पुलिस ने एसडीआरएफ की टीम को बुलाया है। ग्रामीण सुबह से खोजबीन में लगे हैं।बलवाड़ा टीआई अनिल बामनिया ने बताया कि शुभम (28) पुत्र रमेश पाल निवासी देव नगर अपने साथियों के साथ रविवार को गणेश विसर्जन के लिए काटकूट के जंगल में पहुंचा था। यहां कनाड़ नदी में गणेश विसर्जन के दौरान रविवार शाम को नहाने के दौरान वह गहराई में चला गया। यहां से वह लौट नहीं सका। वहां मौजूद लोगों ने उसे बचाने की कोशिश की लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। इसके बाद दोस्तों ने देर शाम पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने खरगोन से एसडीआरएफ की टीम को बुलाया है। सभी टीमें सोमवार सुबह से शुभम की तलाश कर रही है।स्थानीय पुलिस, एसडीआरएफ और दूसरे तैराक भी शुभम को तलाश रहे हैं।

जहां नहा रहा था शुभम वहीं से दोस्त भी फिसले पर उन्होंने खुद को बचा लिया– ग्रामीणों के मुताबिक शुभम अपने दोस्तों के साथ जिस जगह नहा रहा था वहा पत्थरों से पानी गिरता है। यहां पानी का फ्लो बढ़ने से दोस्त फिसल गए थे। लेकिन उन्होंने खुद को बचा लिया था। ग्रामीणों का कहना है कि नदी में पानी लगातार बढ़ रहा है। इस वजह से तैराकों को ढूंढने में दिक्कत आ रही है।

संविधान और आरक्षण विरोधी है कांग्रेसः सिलावट

इनकी आरक्षण हटाने की धुन नेहरु के जमाने से

इंदौर (एजेंसी)। कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयानों को लेकर बीजेपी लगातार कांग्रेस को घेरने में लगी है। सोमवार को इंदौर में मंत्री तुलसीराम सिलावट ने राहुल गांधी पर निशाना साधा। कहा राहुल गांधी और पूरी कांग्रेस पार्टी संविधान विरोधी है। यह पार्टी आरक्षण और डॉ. अंबेडकर विरोधी भी है।

सिलावट ने कहा कि राहुल गांधी ने अपनी हालिया अमेरिकी यात्रा के दौरान कहा है कि वह आरक्षण हटा देंगे। ये वही धुन है जो राहुल गांधी का परिवार नेहरु के जमाने से गाता आ रहा है। कांग्रेस पार्टी ने 57 वर्षों तक देश पर शासन किया, लेकिन इस दौरान उसने अपने राजनीतिक उद्देश्यों को साधने के लिए संवैधानिक प्रक्रियाओं का दुरुपयोग किया और सामाजिक उद्देश्यों की उपेक्षा की।

कांग्रेस ने कभी भी संविधान के मूलभूत आरक्षण सिद्धांतों को सही भावना और रूप में लागू करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं दिखाई।

कन्फेक्शनरी कारोबारी संजय जैसवानी को बचाने के आरोप को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में मंत्री सिलावट ने कहा कि न्याय से बड़ा कोई नहीं है, जो दोषी है उसे सजा जरूर मिलेगी। देश में संविधान है, कानून है और देश संविधान, कानून से चलता है, जो भी दोषी हो उस पर कड़ी कार्रवाई होगी। इसके बाद उन्होंने कॉन्फ्रेंस समाप्त कर दी। बता दें कि पिछले दिनों संजय जैसवानी ने अपने सीए को घर में दो दिन तक बंधक बनाकर रखा। सीए के परिजन द्वारा जब इस संबंध में विजय नगर थाने में शिकायत की गई तो पुलिस ने सीए को जैसवानी के निवास से छुड़ा तो लिया, लेकिन जैसवानी को गिरफ्तार करने के बजाय पीड़ित सीए एवं उसके साथी को ही रात भर थाने में बैठाकर रखा। इसके बाद सीए एसोसिएशन के सदस्यों ने विजय नगर थाने में जमकर हंगामा किया था। वहीं एक विदेशी नागरिक को बंधक बनाया गया था। वो शिकायत करने लसूड़िया थाने पर पहुंचा था। उसने संजय जैसवानी पर आरोप लगाए थे। उससे आवेदन ले लिया गया लेकिन केस दर्ज नहीं हुआ।

दर्द से परेशान ठेकेदार ने फांसी लगाई

एक्सीडेंट के बाद मुंह में डली थी रॉड, इसी के दर्द से रहते थे परेशान

इंदौर (एजेंसी)। एरोड्रम इलाके में रहने वाले एक बुजुर्ग ठेकेदार ने फांसी लगा ली। एक्सीडेंट के कारण उन्हें चेहरे और हाथ में रॉड डली थी, इसके दर्द से वे परेशान रहते थे। परिजनों ने पुलिस को बताया कि कुछ समय पहले वे एक्सीडेंट में घायल हो गए थे। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है।एरोड्रम पुलिस के मुताबिक मृतक का नाम शिवराम (67) पुत्र मोना जी पगारे निवासी कॉलोनी नगर है। पत्नी आनंदी ने रविवार की शाम उन्हें फंदे पर लटके हुए देखा और बेटे को सूचना दी। पत्नी आनंदी ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से उन्हें मुंह में काफी दर्द होता था। वे कुछ खा भी नहीं पाते थे। परिवार में चार बेटियां और एक बेटा है। बेटा भी ठेकेदारी करता है।

पत्नी बच्चों से अलग रहते थे, सुसाइड किया– हीरानगर इलाके की छोटी भमोरी में रहने वाले एक मकान कारीगर ने रविवार रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह अपने पत्नी और दो बेटों से अलग रहते थे। पुलिस के मुताबिक मृतक का नाम कैलाश (50) पुत्र विष्णु प्रसाद यादव है। रविवार देर शाम भतीजी ने उन्हें फंदे पर लटके देखा था।

स्ट्रांग सिस्टम नहीं, औसत से 5 इंच कम बारिश

पारा चढ़कर 33 डिग्री पार, सितंबर में गिरा केवल 2 इंच पानी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में इस बार अगस्त ने भले ही अच्छा तर किया हो लेकिन सितम्बर के चौथा हफ्ता शुरू होने के बाद भी मौसम की बेरुखी बनी हुई है। इस माह दो इंच ही बारिश हुई है, जबकि माह का औसत कोटा 7 इंच का है। चिंता वाली बात यह है कि सीजन का औसत कोटा 36 इंच का है और 31 इंच ही बारिश हुई है। अब सिर्फ सितम्बर का एक हफ्ता ही बाकी है। वहीं इसके पहले सितम्बर 2015 में सिर्फ एक इंच ही बारिश हुई थी। अगले हफ्ते तक स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव होने के संकेत भी नहीं हैं। अगर बारिश नहीं हुई तो एक दशक में सितम्बर माह ऐसा होगा कि माह का औसत बारिश का कोटा भी पूरा नहीं होगा। ऐसे ही सीजन के 5 इंच की कोटा भी पूरा नहीं हो सकेगा।रविवार को दिन का तापमान 33.8 (+3) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो माह का सबसे ज्यादा है। एक दशक में यह पांचवां मौका है जब सितम्बर माह में दिन का तापमान 33.8 डिग्री सेल्सियस या उससे ज्यादा रहा।इस माह सबसे ज्यादा बारिश 1 सितम्बर को करीब एक इंच बारिश हुई थी। बाकी दिनों में सिर्फ 1 इंच पानी बरसा। पिछले साल सितम्बर में 20 इंच बारिश हुई थी। इस बार अगस्त में 15 इंच से ज्यादा बरसा था जिसने बड़ी राहत दी थी लेकिन अभी स्थिति विपरीत है। अभी 5 इंच बारिश की जरूरत है। इससे पहले 2019 में 37 इंच पानी बरसा था। मौसम विशेषज्ञ अजय कुमार शुक्ला के मुताबिक इस बार केरल, मुंबई में मानसून समय पर आया, लेकिन अरब सागर से आया सिस्टम मध्य प्रदेश की सीमा यानी बुरहानपुर, सेंधवा पर आकर कमजोर पड़ गया। ऐसी ही सीजन में बंगाल की खाड़ी में गतिविधि बहुत देरी से शुरू हुई। पूरे जून में एक भी सिस्टम नहीं बना। जुलाई के अंत में सिस्टम बने। दो महीनों में सिस्टम नहीं बनने से इंदौर में कम बारिश हुई है। अगस्त और सितम्बर में बंगाल की खाड़ी में जो सिस्टम बने। इसमें अगस्त ने इंदौर को तर किया लेकिन सितम्बर ने चिंता बढ़ा दी है।

रबी की फसल को लेकर चिंता में किसान

इस बार अगस्त में हुई अच्छी बारिश से सोयाबीन की फसलों का उत्पादन अच्छा हुआ है और अब जल्द कटाई पर है। सितम्बर में हुई कम बारिश ने जरूर किसान को चिंता में डाल दिया है। देपालपुर के सबसे बड़े तालाब बनेडिया तालाब आधा ही भरा है। ऐसा ही 90 एकड़ वाला शाहपुरा तालाब 25 प्रतिशत ही भरा है। पिछले साल अच्छी बारिश होने के कारण ये काफी दिनों तक ओवर फ्लो हुए थे।

जैन कल्याण बोर्ड का गठन सहित अन्य घोषणाओं के लिए आभार

खाचरौद। शनिवार को भोपाल में मुख्यमंत्री निवास पर क्षमापना कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मध्यप्रदेश अभा जैन पत्रकार संघ की और से संरक्षक हिम्मत मेहता, ऋतुराज बुड़ावनवाला,संस्थापक अध्यक्ष संजय लोढ़ा, राजेंद्र कोठारी, कपिल पारिख, सुशील जैन सहित अन्य पदाधिकारी भी शामिल हुए। सभी ने संघ की ओर से क्षमापना पत्र मुख्यमंत्री मोहन यादव को भेट किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने जैन कल्याण बोर्ड का गठन किये जाने सहित, विहार कर रहे साधु-संत जनों को जहां भी आवश्यकता होगी, वहां स्थानीय शासकीय भवन उन्हें उपलब्ध कराये जाने, सागर मेडिकल कालेज का नाम आचार्य विधासागर जी के नाम पर किए जाने की भी घोषणा की।

अभा जैन पत्रकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष संदीप डाकोलिया, महासचिव शिरीष सकलेचा, सलाहकार जवाहर डोसी, राजेश नाहर, उपाध्यक्ष अनिल नाहर,पंकज पटवा, सचिव संदीप जैन, मयंक बाफना,संघटन सचिव विमल कटारिया, संयुक्त सचिव अरुण बुरड, प्रचार सचिव प्रदीप जैन, नेमीचंद कावड़िया, गौरव दुगल, कार्यसमिति सदस्य राजेंद्र सकलेचा,विशाल वागमार, मनोज भंडारी आदि ने हर्ष जताते हुए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का आभार माना है। अध्यक्ष डाकोलिया एवं महासचिव सकलेचा ने कहा कि जैन कल्याण बोर्ड का गठन किए जाने से समाज के लोगों को मूलभूत सुविधाएं, शासन की योजनाओं का समुचित लाभ मिलने की संभावना हैं। विहार के दौरान साधु संतों को जरूरत पड़ने पर शासकीय भवन निःशुल्क उपलब्ध कराए जाने की घोषणा भी एक अच्छा निर्णय हैं। सागर के मेडिकल कॉलेज का नाम प्रख्यात संत आचार्य विद्याचंद्र सागर के नाम पर किए जाने का निर्णय भी सरकार ने सोच समझकर लिया हैं।

इंदौर में लूट और चोरी के 294 मोबाइल जब्त

नेपाल तक डिलीवरी होती थी, पहले पकड़ा चुके हैं 634 मोबाइल

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर क्राइम ब्रांच ने चोरी के मोबाइल सस्ते दामों पर बेचने वाले एक आरोपी को पकड़ा है। आरोपी के एक साथी को पूर्व में रावजी बाजार पुलिस ने पकड़ा था। उससे चोरी के करीब 634 मोबाइल मिले थे। आरोपी से अभी और मोबाइल मिलने की संभावना है।एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि क्राइम ब्रांच की टीम ने संदीप पुत्र रामचंद्र कश्यप, निवासी प्रभु नगर को गिरफ्तार कर उसके पास से 294 चोरी के मोबाइल जब्त किए है। जिसकी बाजार की कीमत करीब 35 लाख रुपए बताई जा रही है। संदीप से मोबाइल को लेकर पूछताछ की तो उसने बताया कि वह बेरोजगार है। जितेंद्र वासवानी ने उसे मोबाइल की डिलीवरी का कार्य करने के लिए अच्छी सैलरी देने का वादा कर नौकरी पर रखा। संदीप इंदौर से नेपाल तक मोबाइल डिलीवरी का काम करता है। संदीप ने बताया कि उक्त सभी मोबाइल चोरी के होकर साथी जितेंद्र वासवानी उर्फ जॉनी से लेकर नेपाल डिलीवरी करने वाला था और पूर्व में जॉनी के कहने पर 60 मोबाइल नेपाल में डिलीवर भी किए थे। उक्त मोबाइल डिलीवरी करने के पूर्व ही क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा जब्त कर लिया गया। जॉनी के पास से पूर्व में रावजी बाजार पुलिस ने 634 मोबाइल जब्त किए थे। वह पूर्व में जेल जा चुका है।

अपराधों को देखते हुए सख्ती

रातभर में 17 वारंटी, 80 गुंडे, 52 बदमाश सहित 228 अपराधियों पर कार्रवाई

इंदौर (एजेंसी)। वीकेंड पर बढ़ते अपराधों को देखते हुए शनिवार को बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स शहरभर में तैनात रहा। 24 एसीपी, 48 टीआई सहित 1 हजार जवान रात 11 बजे से लेकर रविवार सुबह 5 बजे तक सड़कों पर गश्त करते रहे। इस दौरान की गई विशेष चेकिंग में पुलिस ने 228 लोगों पर कार्रवाई की। इनमें 17 फरार वारंटी, 80 गुंडे, 52 निगरानीशुदा बदमाश शामिल हैं।इसके साथ ही पुलिस ने 6 ब्राउन शुगर और गांजा बेचने वाले, 12 अवैध शराब बेचने वालों को भी पकड़ा। वहीं नशा कर वाहन चलाने वाले 42 लोगों पर भी कार्रवाई की गई। पुलिस ने चाकूबाजी कर चुके 18 अपराधियों के घर भी दबिश दी। कई बदमाशों पर उनके आपराधिक रिकॉर्ड के आधार पर थाने लाकर उनसे डोजियर

भरवाए और कुछ को जेल भेजा।इधर रविवार को आजाद नगर इलाके में एडिशनल डीसीपी आलोक शर्मा की टीम ने 12 स्थायी वारंटी, 26 गिरफ्तारी वारंटी पकड़े। वहीं 52 गुंडे और 32 निगरानीशुदा बदमाशों के घरों में दबिश दी। 5 एनडीपीएस एक्ट के केस भी दर्ज किए गए। देर रात तक चेकिंग जारी थी।

लोग बोले : ऐसी पुलिसिंग हो तो बदमाशों का खौफ नहीं

परिवार के साथ वीकेंड मनाने निकले कारोबारी नवनीत बंग ने बताया, मैं हर शनिवार-रविवार पत्नी राधिका व बेटियों का साथ घूमने निकलता हूं। लंबे समय बाद सड़कों पर पुलिस देख सुरक्षा का भाव मन में आया। वहीं मोबाइल कारोबारी नूतन जाखेटिया ने बताया कि पुलिस इसी तरह सड़कों पर नशाखोरों और बदमाशों पर एक्शन लेती नजर आएगी तो जनता के मन में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ेगा। वीकेंड पर यह सख्ती आगे भी जारी रहेगी। शहर में नशा बेचने, नशाखोरी कर सड़कों पर उत्पात मचाने और लूटपाट कर जनता को आहत करने वाले बदमाशों के खिलाफ कोई ढिलाई नहीं होगी।

इंदौर में अगले साल से रियल एस्टेट सेक्टर में कोर्स

एडमिशन के लिए 12वीं पास होना जरूरी, उम्र की सीमा नहीं

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में अब रियल एस्टेट सेक्टर में करियर बनाने के लिए कोर्सेज शुरू किए जाएंगे। यूजीसी के तहत अगले साल से इसकी शुरुआत होने की संभावना है। ये डिप्लोमा कोर्स रहेंगे, जो 2 और 3 साल तक के होंगे। फीस कितनी रहेगी ये अभी तय नहीं है। पुणे और मुंबई में इस तरह के कोर्स अभी चल रहे हैं। इन कोर्स में 12वीं पास लोगों को एडमिशन मिलेगा। उम्र की इसमें सीमा नहीं रहेगी। कोई भी व्यक्ति एडमिशन ले पाएगा। दरअसल, इंदौर में एनएआर इंडिया गवर्निंग बॉडी की बैठक आयोजित की गई। एनएआर इंडिया के सिटी चैप्टर इंदौर रियलटर्स वेलफेयर एसोसिएशन के तहत इंदौर रियल एस्टेट उद्योग में रियल एस्टेट ब्रोकर्स, रियलटर्स के हितों और लाभों के लिए कार्य किया जाता है। इसी के तहत कोर्स अगले साल से संचालित होंगे।आईआरडब्ल्यू के वाइस चेयरमैन शैलेंद्र जैन ने बताया कि आरआईसीएस कोर्स है। ये रियल एस्टेट से संबंधित कोर्स है। यूजीसी से मान्यता प्राप्त डिप्लोमा कोर्स है। जैसे ब्रोकर के लिए रियल एस्टेट को समझने के लिए बहुत सारी चीजें होती

है। बहुत ही संगठित तरीके से रियल एस्टेट होने लगा है। पहले साल का लैंड, वेयर हाउस, वर्टिकल बिल्डिंग फिर ओवर ऑल कोर्स में शामिल रहता है। कोर्स के लिए फैकल्टी पुणे, मुंबई, बेंगलुरु से आएगी। एनएआर इंडियाएक नॉन प्रॉफिट आर्गेनाईजेशन है। यह रियल एस्टेट ट्रांजिक्शन एडवाइजरी का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने मेंबर्स के प्रोफेशनल डेवलपमेंट के लिए काम करती है। देशभर में एनएआर इंडियाएक के 40 हजार से अधिक मेंबर्स है और हर शहर से दो प्रतिनिधि लेकर कुल 44 प्रतिनिधियों के साथ एनएआर इंडियाएक की गवर्निंग बॉडी तैयार की जाती है। इंदौर में इसकी 19 से 21 सितंबर तक बैठक आयोजित की गई। एनएआर इंडियाएक एक नॉन प्रॉफिट आर्गेनाईजेशन है। यह रियल एस्टेट ट्रांजिक्शन एडवाइजरी का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने मेंबर्स के प्रोफेशनल डेवलपमेंट के लिए काम करती है। देशभर में एनएआर इंडियाएक के 40 हजार से अधिक मेंबर्स है और हर शहर से दो प्रतिनिधि लेकर कुल 44 प्रतिनिधियों के साथ एनएआर इंडियाएक की गवर्निंग बॉडी तैयार की जाती है। इंदौर में इसकी 19 से 21 सितंबर तक बैठक आयोजित की गई।

इंदौर क्लीन सिटी है। यहां मेट्रो भी आ गई है। फ्लाइट कनेक्टिविटी भी अच्छी है। इसलिए यहां अवसर ज्यादा है। रियल एस्टेट ज्यादातर लोग बिना किसी फॉर्मल ट्रेनिंग के काम करते हैं। हमने उन्हें ऑर्गेनाइज तरीके से ट्रेनिंग देने का भी फैसला लिया है।आईआरडब्ल्यूए की मीटिंग में रियल एस्टेट के बढ़ते स्कोप और इस क्षेत्र में कॅरियर जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। इस तीन दिनीं (19 से 21 सितंबर) प्रोग्राम के तहत शहर के रियलटर्स को लीडरशिप ट्रेनिंग दी गई। साथ ही रियल एस्टेट सेक्टर में होने वाले परिवर्तनों और नए ट्रेंड से भी उन्हें परिचित करवाया गया।

इंदौर में शुरू होंगे नए प्रोजेक्ट

आईआरडब्ल्यूए के प्रेसिडेंट अरविंद गुप्ता ने बताया कि इस तरह कि मीटिंग से ब्रोकर्स को सिटी एक्स्प्लोर करने का मौका मिलता है। वह शहर और उससे जुडी संभावनाएं जान पाते हैं। अध्यक्ष अरविंद गुप्ता और मानद सचिव पीयूष भंडारी ने कहा आने वाले तीन सालों में इंदौर में काफी विकास होगा और इसलिए सभी ने इंदौर में काम शुरू करने में दिलचस्पी जताई। मीटिंग में हमने पूरे देश में एक ही रेरा लागू ही इस पर भी विचार किया, जिससे रियल स्टेट के काम को गति मिल सकें।

संपादकीय

अनुरा : भारत से बेहतर रिश्तों की उम्मीद

घोषित वामपंथी अनुरा कुमारा दिसानायके पड़ोसी देश श्रीलंका के नए राष्ट्रपति होंगे। इस साल फ़रवरी महीने में अनुरा कुमारा दिसानायके जब भारत आए थे, तो किसी ने शायद ही सोचा था कि क़रीब सात महीने बाद वो श्रीलंका के राष्ट्रपति बनेंगे। लेकिन अब यह एक सचाई है। वहां राष्ट्रपति के चुनाव में अनुरा ने सर्वाधिक मत प्राप्त किए हैं। श्रीलंका में वामपंथ के उभार के कई मायने हैं। दो साल पहले आर्थिक संकट के गर्त में पहुंचे श्रीलंका ने मतदाताओं और खासकर युवाओ ने युवा नेता अनुरा को भरपूर वोट दिया। 56 वर्षीय अनुरा के सामने भी देश को आर्थिक संकट से उबारने की बड़ी चुनौती है तो साथ में चीन और भारत के बीच रिश्तों को संतुलित रखने का बड़ा चैलेंज है। दरअसल श्रीलंका के ताजा चुनाव नतीजो से यह आशंका हकीकत में बदल गई है कि भारत अब चीन समर्थक सत्ताओंसे घिर गया है। हमारे पड़ोसी देशों में अब कोई भी ऐसा देश बाकी नहीं बचा है, जिस पर चीन ने डोरे न डाले हों, अथवा अपने आर्थिक चंगुल में न फंसाया हो। श्रीलंका के वर्तमान राष्ट्रपति रॉनिल विक्रमसिंघे का झुकाव भारत की ओर रहा है, लेकिन अनुरा दिसानायके के नेतृत्व में श्रीलंका किसी नीति को अपनाएगा, यह अभी स्पष्ट होना है। निश्चय ही श्रीलंका को आर्थिक संकट से उबारने के लिए उसे चीन और भारत दोनो की मदद की जरूरत होगी। चीन श्रीलंका का पैसा दे सकता है, लेकिन भारत के साथ उसकी भू राजनीतिक स्थिति एक जमीनी वास्तविकता है। अगर श्रीलंका ने इसे अनदेखा करने की कोशिश की तो वहां नए सिरे आंतरिक अशांति फैल सकती है। देश नए धार्मिक टकराव में फंस सकता है। वैसे भी अनुरा के चुनाव जीतते ही श्रीलंका के कई बौद्ध भिक्षुओं के देश छोड़ने की खबर है। बौद्ध भिक्षुओं की श्रीलंका की राजनीति में अहम भूमिका ही है। अनुरा श्रीलंका में उस पार्टी जनता विमुक्ति पेरामुना पार्टी से हैं, जिसका कम्युनिस्ट क्रांति करने के लिए रक्तरंजित इतिहास रहा है और इस चुनाव के पहले तक देश में जिसकी बहुत लोकप्रियता नहीं रही है। हालांकि कम्युनिस्ट क्रांति का यह सपना 70 के दशक का है, जब दुनिया के एक तिहाई देशों में कम्युनिस्ट सरकारें थीं, जो आज घटकर महज पांच देशों तक सीमित रह गई है। अनुरा की राजनीतिक पृष्ठभूमि से परिचित होने के बाद भी भारत ने उनके राष्ट्रपति बनने का स्वागत किया है। श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त संतोष झा तत्काल अनुरा से मिले और उन्हें जीत की बधाई दी। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि अनुरा दिसानायके की जीत से द्विपक्षीय संबंधों और इसे गहरा करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने भी दिसानायके को जीत की बधाई देते हुए कहा कि भारत की नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी और विजन में श्रीलंका का ख़ास स्थान है। इसके जवाब में अनुरा ने लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी आपके समर्थन और सहयोग के लिए बहुत धन्यवाद। दोनों देशों में सहयोग को और मज़बूत करने के लिए हम आपकी प्रतिबद्धता के साथ हैं। हमारा साथ दोनों देशों के नागरिकों और इस पूरे इलाक़े के हित में है। अब देखने की बात यह है कि अनुरा के नेतृत्व में बनने वाली नई सरकार भारत के साथ अपने कैसे रिश्ते रखती है। अनुरा के सामने आर्थिक संकट, भ्रष्टाचार और जातीय तनाव जैसी घरेलू चुनौतियां तो हैं ही। साथ ही भारत में सत्ताधारी भाजपा को दक्षिणपंथी माना जाता है जबकि अनुरा कुमारा दिसानायके वामपंथी विचारधारा से हैं। दोनो में तालमेल कैसे बनेगा? इस बारे में विशेषज्ञों का मानना है कि अनुरा की वैचारिक प्रतिबद्धता कुछ भी हो, उन्हें भारत के साथ जमीनी हकीकत के मद्देनजर ही रिश्ते रखने होंगे। इसमें श्रीलंका का भी भला है।

नजरिया

आरके सिन्हा

लेखक पूर्व सांसद हैं।

सरकारी डॉक्टरों की रिटायरमेंट उम्र बढ़ाने की जरूरत

श्री भारत अपने नागरिकों को सेहतमंद रखने के लिए तुरंत एक अहम कदम यह उठा सकता है कि वह केन्द्र और राज्य सरकारों की सेवाओं से जुड़े हुए सरकारी डॉक्टरों की रिटायरमेंट की उम्र को बढ़ा दे। पिछले कुछ दशकों में भारतीयों की औसत उम्र में भी लगातार सुधार हो रहा है। भारत ने स्वास्थ्य सेवा, प्रौद्योगिकी और जीवन स्तर में महत्वपूर्ण प्रगति की है। भारत में औसत उम्र का दर 1950 में लगभग 37 वर्ष से बढ़कर अब लगभग 70 वर्ष की हो गई है। हालांकि, डॉक्टरों की रिटायरमेंट की आयु इन परिवर्तनों के साथ तालमेल नहीं बैठ पाई है। डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष कर दी गई है, पर इसे और बढ़ाने की गुंजाइश है, क्योंकि; सरकारी अस्पतालों में अनुभवी डॉक्टरों की कमी है। वक्त का तकाजा है कि डॉक्टरों की रिटायरमेंट की उम्र को 70 वर्ष तक कर दिया जाए। आपको देश भर में हजारों अनुभवी डॉक्टर मिल जाएंगे जो 70 साल तो छोड़िए 75 और उससे भी अधिक उम्र में प्रैक्टिस कर रहे हैं। राजधानी के राम मनोहर लोहिया अस्पताल से जुड़े हुए हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. आर.के. करौली तो 90 साल की उम्र तक रोगियों को रोज चार- पांच घंटों तक देखा करते थे। वे नेहरू जी से लेकर शास्त्री जी के भी चिकित्सक थे। मुंबई में भी 80 से ज्यादा वसंत देखने के बाद भी मशहूर डॉक्टर डॉ. बी.के. गोयल एक्टिव थे। इस तरह के सैकड़ों उदाहरण आपको मिल सकते हैं।

भारत में आने वाले सालों में अनेकों नए मेडिकल कॉलेज स्थापित होने जा रहे हैं। सरकार की कोशिश है कि हर साल देश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों से 50 हजार से ज्यादा डॉक्टर देश को मिलें। इनके अलावा वे डॉक्टर भी हैं जो भारत के बाहर जाकर मेडिसन की डिग्री लेकर आते हैं। आप मान सकते हैं कि देश के हेल्थ सेक्टर में डॉक्टरों की संख्या में वृद्धि लगातार होती रहेगी। इस बात को ध्यान में रखते हुए यह भी सुनिश्चित करना होगा कि अनुभवी और वरिष्ठ डॉक्टरों के अनुभव का लाभ देश के हेल्थ सेक्टर को मिलता रहे। यह बात इसलिए कही जा रही है, क्योंकि अनुभव का कोई विकल्प नहीं हो सकता है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल मानते हैं कि सरकारी डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाकर 70 करने से न केवल अनुभवी डॉक्टरों की कमी दूर होगी, बल्कि; युवा चिकित्सकों को जरूरी मार्गदर्शन भी मिलता रहेगा।

दरअसल मेडिसन की दुनिया में अनुभव का बहुत अधिक महत्व होता है। यहां पर जब कोई नौजवान मेडिकल कॉलेज में दाखिला लेता है, उसके बाद वह अपने अध्यापकों के अलावा वरिष्ठ और अनुभवी डॉक्टरों के संपर्क में लगातार रहता है मार्गदर्शन के लिए। इसलिए बहुत जरूरी है कि वरिष्ठ डॉक्टरों के अनुभव का लंबे समय तक लाभ उन्हें मिलता रहे जो इस पेशे में आ रहे हैं। वरिष्ठ डॉक्टरों के अनुभव और इस पेशे में आए नए डॉक्टर मिल-जुलकर मरीजों के रोगों के उपचार को बेहतर तरीके से कर सकते हैं। इस रोशनी में सरकारी डॉक्टरों की रिटायरमेंट उम्र को बढ़ाना एक जरूरी कदम हो सकता है। चूंकि डॉक्टर अपने स्वास्थ्य पर बहुत ध्यान देते हैं इसलिए वे 70 साल की उम्र तक तो पूरी तरह से काम करने लायक होते हैं।

क्या किसी को बताने की जरूरत है कि अब भी देश के ग्रामीण भागों में अनुभवी डॉक्टरों की भारी कमी है? ग्रामीण भारत की जनता बीमार होने पर बड़े शहरों के अस्पतालों में पहुंचती है। हर रोज राजधानी दिल्ली के एम्स, राम मनोहर लोहिया अस्पताल, लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल, गंगा राम अस्पताल वगैरह में हजारों ग्रामीण दूर-दराज के राज्यों से इलाज के लिए पहुंचते हैं। अगर उनके गांवों के पास पर्याप्त डॉक्टर और श्रेष्ठ सुविधाएं उपलब्ध हों तो वे क्यों सैकड़ों मील चलकर दूर आयेंगे? सरकारी डॉक्टरों की उम्र बढ़ाने से गांवों में डॉक्टरों की कमी को कुछ हद तक पूर किया जा सकता है। ग्रामीण भारत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की भारी कमी है। यह बहुत चिंताजनक स्थिति है। इस समस्या का एक हल यह भी है कि रिटायरमेंट की आयु बढ़ने से वहां पर तैनात डॉक्टरों को सेवा करने का मौका मिलता रहेगा। डॉ. विनय अग्रवाल कहते हैं कि देश के ग्रामीण भागों में सर्जनों, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञों, फिजीशियनों और बाल रोग विशेषज्ञों की मांग को भी पूरा करने की जरूरत है। डॉक्टरों का सेवा विस्तार करने से गांवों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी को एक हद तक तो दूर किया ही जा सकता है।

वरिष्ठ डॉक्टर अक्सर हेल्थ सेक्टर मैनेजमेंट और नीति निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनका सेवा विस्तार करने से उनकी विशेषज्ञता का उपयोग नीतियों को आकार देने और अस्पताल प्रबंधन को बेहतर बनाने में किया जा सकेगा। जैसा कि ऊपर कहा गया कि जब भारत में डॉक्टरों के लिए सेवानिवृत्ति की आयु निर्धारित की, तो हिन्दुस्तानियों की औसत उम्र काफी कम थी। 1950 और 1960 के दशक में, जब औसत उम्र कम थी, तो 55 वर्ष की सेवानिवृत्ति की आयु उचित मानी जाती थी। 1970 के दशक में बढ़कर 58 वर्ष हुई, और फिर 1990 के दशक में 60 वर्ष हुआ। 2017 में केंद्र सरकार के डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष कर दी गई थी, ताकि अनुभवी चिकित्सा पेशेवरों को अधिक समय तक बनाए रखा जा सके। अब वक्त का तकाजा है कि केन्द्र और राज्य सरकारों के अस्पतालों से जुड़े डॉक्टरों की रिटायरमेंट की उम्र को बढ़ाया जाए।

अमेरिका और यूरोप के देशों में शोध कार्यों से जुड़े डॉक्टर जीवन भर सेवा में रहते हैं। जब यह व्यवस्था अन्य देशों में हो सकती है तो फिर भारत में क्यों नहीं। भारत में तो अनुभवी डॉक्टरों की हमेशा ही मांग बनी रहती है। भारत के लिए अपने डॉक्टरों के लिए सेवानिवृत्ति की आयु की समीक्षा करने का समय आ गया है। उम्मीद करनी चाहिए कि इस लिहाज से सरकार जल्दी कोई फैसला लेगी।

विचार

डॉ. सत्येन्द्र किशोर मिश्र

लेखक विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर हैं।

हिन्दुत्व के सम्मुख चुनौती

हिन्दुत्व भारत की राष्ट्रीय चेतना की एकात्मकता का सूत्र है। भारत में सभ्यता, संस्कृति, परंपरा और परिवेश में जो भी सनातन है, वही हिन्दुत्व है। हिन्दुत्व एक जीवन दृष्टि, भाव और व्यवहार है, युगों-युगों से प्रवाहित सतत् अविरल धारा है, जिसका कोई एक प्रवर्तक नहीं है। हिन्दुत्व कोई प्रतिक्रिया नहीं है, यदि यह प्रतिक्रिया के रूप में विकसित हुआ होता तो शिथिल हो चुका होता। हिन्दुत्व पर लगातार हो रहे आघात, भारत के सम्मुख सबसे बड़ी चुनौती है। सियासी फायदे के लिए जाति पांत की लकीर गहरी कर हिन्दुत्व को कमजोर करने की कोशिशें हो रही हैं, जिसे समझना होगा।

हिन्दुत्व कोई राजनीतिक अवधारणा अथवा चिन्तन नहीं, अपितु एक ऐसी व्यवस्था है जहाँ बगैर किसी अवरोध के, पीढ़ियां कर्तव्य तथा सदाचार का पालन कर, उच्चादर्शों के प्रति सम्मान प्रकट करती रही हैं। हिन्दुत्व वर्तमान और भविष्य के प्रति सजग परंपरा के रूप में सदैव जीवित रहा है। मातृस्वरूपा पवित्र भारत-भूमि को आदर देनेवाला हिन्दू है, नदी-सरोवर को तीर्थ मानकर पूजनेवाला हिन्दू है, सृष्टि का मूल मानकर वृक्षों-वनस्पतियों का उपासक हिन्दू है, जीवों की चिन्ता करनेवाला हिन्दू है, यूँ कहें, सम्पूर्ण जड़-चेतन जगत में आत्मभाव देखनेवाला हिन्दू है। हिन्दुत्व एक दृष्टि, एक भाव और एक जीवन पद्धति ही नहीं, अपितु मानवीय व्यक्तित्व को विराट के साथ जोड़ने का बोध है। इस बोध में व्यवधान का निवारण प्रत्येक हिन्दू का कर्तव्य है, यही लोक एवं शास्त्रोक्त परंपरा भी है।

जड़-चेतन तथा स्वयं के साथ व्यवहार की सतत प्रक्रिया जीवन है और जिसमें यह सामंजस्य हो सके वही हिन्दुत्व है। हिन्दुत्व कभी भी थोपा नहीं गया, यह स्वस्फुरित रहा है। यह स्फुरण किसी जाति विशेष तक सीमित नहीं है, अन्यथा सनातन संत परंपरा का स्फुरण भी न होता। हिन्दुत्व एक उत्तरदायित्व है, जीवन विस्तार है, जो स्वयं से प्रश्न करता है और उसके समाधान हेतु जगत से व्यवहार करता है।

आज हिन्दू समाज में लोगों को अपनी जातियों की चिन्ता तो है, लेकिन हिन्दुत्व के अस्तित्व की नहीं। जातियों का अस्तित्व तो हिन्दू होने के कारण है, लेकिन हिन्दुत्व का अस्तित्व किससे है? विडम्बना है कि लोगों में जातियों से परे हिन्दुत्व का बोध ही नहीं है, उनके पास जाति के अतिरिक्त हिन्दुत्व अस्मिता के बोध का कोई आधार ही नहीं है। वे नासमझ हैं कि वे हिन्दू क्यों हैं? किसी जाति विशेष में जन्म हो गया, बस क्या यही उनके हिन्दुत्व का आधार है? जीवन से जो कुछ भी मिला उसके प्रति एक हिन्दू का उत्तरदायित्व क्या है?

विभाजित हिन्दू यह समझ ही नहीं पाता कि वह क्या-क्या गंवा रहा है। वह शायद मतांतरित होने के बाद भी अपनी जाति नहीं खो पाता, लेकिन संवेदना, सोच और कर्तव्य की वह स्वतंत्रता गवां देता है जो उसे हिन्दुत्व के कारण प्राप्त थी। छल-प्रपंच, पाशविक बर्बरता या स्वार्थ से इसे गवां देना दुःखद है। भारत में जातियाँ, संविधान और सेक्युलरिज्म तब तक है जब तक बहुसंख्यक समाज हिन्दू है। जिस हिन्दू समाज पर यह लोकतांत्रिक व्यवस्था आलंबित है उसके हिन्दुत्व को प्रोत्साहित करने हेतु इस व्यवस्था में बहुत कुछ नहीं है, बल्कि यह इसे हतोत्साहित ही करती रही है। जाति हिन्दुत्व का जीवनोद्देश्य नहीं है, क्या हिन्दुओं में केवल जाति है? क्या दीर्घकालिक सनातन परंपरा में जाति के अतिरिक्त अन्य कोई विचार ही नहीं है? क्या हिन्दू संस्कृति में जातिवाद के अतिरिक्त कुछ भी नहीं है? भारत के संविधान में तमाम विषयों का उल्लेख है, लेकिन हिन्दू या हिन्दुत्व नहीं है? संविधान में मात्र एक शब्द है, बहुसंख्यक। संविधान में उसके धर्म, संस्कृति, आचार-विचार और परंपरा का जिक्र अवश्य न हो, लेकिन अल्पसंख्यक की कोई परिभाशा भले न हो, उनक के लिए बहुत कुछ है। किसी भी क्षेत्र में उसकी आबादी कितनी भी हो जाए, वह अल्पसंख्यक रहेगा और उसका संवैधानिक संरक्षण बरकरार रहेगा।

विडम्बना है कि भारत के संविधान में दुनिया के तमाम देशों से बहुत कुछ लिया गया, परन्तु उसे सनातन संस्कृति में ज्यादा कुछ नहीं दिखा। आज वैश्विक समाज युद्ध, हिंसा, प्रकृति और पर्यावरण संकट से जूझ रहा है। उपनिषद् मुक्ति को ही मानव जीवन का अंतिम उद्देश्य मानते हैं, क्या उनसे स्वतंत्रता एवं समता की प्रेरणा नहीं ली जा सकती थी? जिस लोकतंत्र, भातृत्व एवं समानता की प्रेरणा विदेशी विचारों से ली गयी, क्या वह भारतीय ज्ञान परंपरा में नहीं है? भारतीय ज्ञान परंपरा की बुनियाद इतनी सशक्त थी कि उसमे मनुष्य ही नहीं प्राणी मात्र के प्रति भी संवेदना है। परन्तु जाति-पांत के अतिरिक्त सनातन संस्कृति में और कुछ भी देखने की कोशिश ही नहीं की गयी।

हिन्दू जीवनदृष्टि एवं जीवनमूल्य के साथ-साथ हिन्दुत्व जागरण जरूरी है। वैचारिक और व्यावहारिक जागरण के बगैर कोई भी समूह एक कबीले से अधिक कुछ भी नहीं होता। हिन्दुत्व अपने जीवनमूल्यों के साथ सदियों से चले आ रहे वैचारिक परंपरा के साथ तमाम चुनौतियों से जूझते हुए विजयी भाव से खड़ा रहा। हिन्दुत्व को खतरा होगा जब वह अपने जीवन दर्शन और व्यवहार की प्रतिबद्धता से दूर हो जाएगा। सनातन जीवनदृष्टि, जीवनमूल्य और व्यवहार के प्रति सजगता से ही सनातन संस्कृति की रक्षा हो सकेगी।

हिन्दू समाज अनेक मत, पंथ एवं संप्रदाय के साथ निरंतर रहा है। भले ही अधिकांश हिन्दूओं को इन परम्पराओं एवं मत-पंथों का विशेष ज्ञान भी नहीं रहता और न ही वे इनको जानने हेतु प्रयत्नशील होते हैं। वह न तो किसी विशिष्ट भारतीय दर्शन के सैद्धांतिक पक्ष को समझता है और न ही वह प्राचीन अथवा अर्वाचीन संन्यास परंपरा की विशिश्टता एवं भेद को जानता है। उसके लिए हिन्दुत्व का प्रतीक वह है जो सदाचारी हो, कर्तव्य तथा कल्याण का उपदेश दे, कर्म तथा कर्मफल में विश्वास करे, लोकजीवन के प्रपंचों से दूर रहे। यदि कोई ऐसा छद्म आभामंडल भी खड़ा कर लेता है, तब भी समाज उसके पीछे दौड़ पड़ता है।

समाज के मानस और व्यवहार में हिन्दुत्व की प्रतिश्ठा, वर्तमान में सबसे बड़ी चुनौती है। आजाद भारत में वर्शों तक हिन्दुत्व पर चर्चा भी धर्मनिपेक्षता पर प्रहार था। लोग हिन्दुत्व पर बात करने से संकोच करते थे। आज हिन्दुत्व राजनीति के केन्द्र में है, पक्ष तथा प्रतिपक्ष के साथ हिन्दुत्व सभी के लिए राजनीतिक बाध्यता है। श्री रामजन्मभूमि आंदोलन ने राजनीति में हिन्दुत्व में संभावना उत्पन्न की। सांस्कृतिक तथा सामाजिक बदलाव के प्रयासों ने हिन्दुत्व केन्द्र में लाने का कार्य किया। दूसरी तरफ मजहबी आतंकवाद ने हिन्दुत्व जागरण के लिए विवश किया। हिन्दुत्व, जीवन-दृष्टि तथा व्यवहार से रिक्त समाज प्रतिक्रिया के आधार पर लम्बे समय तक नहीं टिक सकता। जब आचार-विचार और व्यवहार भटक जाते हैं, तब प्रतिक्रिया भी शिथिल हो जाती है। आज हिन्दुत्व के सामने ऐसी ही चुनौती खड़ी है।

एक हिन्दू के नाते विचार होना चाहिए कि हम हिन्दू क्यों हैं, हम हिन्दू नहीं रहेंगे तो क्या खो देंगे? यदि कोई भारतीय हिन्दू होने के नाते व्यवहार नहीं करता या उसके जीवन में ऐसा कुछ भी नहीं जो उसमे हिन्दुत्व के वैशिष्ट्य को प्रकट करे तब उसे हिन्दू होने या न होने की वेदना कैसे हो सकती है? हिन्दुत्व जागरण तथा उसका संरक्षण जीवनमूल्यों का संघर्ष है। यदि समाज को हिन्दू जीवनदृष्टि, आदर्श और जीवनमूल्यों से बिलग कर दिया जाए तो शेश समाज मात्र एक जैविक झुण्ड ही रह जाएगा।

हिन्दू का स्वभाव जागृत हिन्दुत्व होना चाहिए। हिन्दुत्व व्यापक सांस्कृतिक-सामाजिक प्रयास का परिणाम है, इसे अभी उस सीमा तक सशक्त करना जरूरी है, जिससे यह जातिवाद, बाहुबल और पैसे से पराभूत न हो सके, हिन्दुत्व की यही कसौटी भी है। भारतीय राजनीति में जातिवाद, क्षेत्रवाद, अलगावाद तथा आतंकवाद के खतरों के मध्य हिन्दुत्व ही राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता ला सकता है।

यौन शिक्षा- यौन हिंसा रोकने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

शिक्षा

डॉ. सत्यकांत त्रिवेदी

वरिष्ठ मनोचकित्सक मनोवैज्ञानिक विश्लेषक

यौन शिक्षा को औपचारिक शिक्षा प्रणाली में शामिल करने की चर्चा अक्सर विवादों का सामना करती है, लेकिन यह यौन हिंसा को रोकने का एक प्रभावी उपाय हो सकता है। यौन हिंसा, जिसमें बलात्कार, छेड़छाड़ और दुर्व्यवहार शामिल हैं, एक गंभीर सामाजिक समस्या है। इसे रोकने के लिए केवल कानूनी कदम उठाना काफी नहीं है, बल्कि मानसिकता में बदलाव की भी जरूरत है, जो कि शिक्षा के माध्यम से संभव है।

आज भी कई समाजों में सेक्स को एक वर्जित विषय माना जाता है, खासकर पारंपरिक समाजों में। इस प्रकार की सोच के कारण बच्चों और युवाओं को यौन संबंधी आवश्यक जानकारी नहीं मिल पाती, जिसका परिणाम यह होता है कि वे अपने शरीर और संबंधों को सही ढंग से नहीं समझ पाते। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट बताती है कि जिन देशों में यौन शिक्षा को औपचारिक रूप से स्कूलों में शामिल किया गया है, वहां यौन हिंसा की घटनाओं में कमी आई है।

यौन शिक्षा का मुख्य उद्देश्य बच्चों और युवाओं को उनके शरीर, संबंधों और सीमाओं के बारे में सही जानकारी देना है। यह उन्हें सहमति और सम्मान के महत्व को समझाने में मदद करती है। शोध से साबित हुआ है कि जहां यौन शिक्षा दी जाती है, वहां यौन हिंसा के मामलों में कमी देखी गई है। उदाहरण के लिए, स्वीडन और नीदरलैंड्स जैसे देशों में यौन शिक्षा को स्कूलों में प्रारंभिक स्तर से ही अनिवार्य किया गया है, जिससे किशोर गर्भधारण, यौन संचारित संक्रमण (STIs) और यौन हिंसा की दरें कम हुई हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) का मानना है कि स्कूल आधारित व्यापक यौन शिक्षा कार्यक्रम यौन हिंसा को रोकने में अत्यधिक प्रभावी हो सकते हैं। यह बच्चों को 'गुड टच' और 'बैड टच' की पहचान सिखाने में भी मदद करती है, जिससे वे संभावित यौन शोषण को समय रहते पहचान सकते हैं और उससे बच सकते हैं।

अमेरिका में किए गए एक शोध के अनुसार, जिन राज्यों में यौन शिक्षा अनिवार्य है, वहां किशोर गर्भधारण और यौन हिंसा के मामलों में 10-15त्न की कमी आई है। इसी प्रकार, अफ्रीका में किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि जहां यौन शिक्षा लागू की गई, वहां एचआईवी संक्रमण दर और यौन हिंसा के मामलों में कमी आई है।

यौन शिक्षा का उद्देश्य केवल शारीरिक संबंधों के बारे में जानकारी देना नहीं है, बल्कि यह लैंगिक समानता, सहमति, शारीरिक सीमाओं का सम्मान और यौन स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाती है। सहमति की समझ से युवा जिम्मेदारी से आचरण करने के लिए प्रेरित होते हैं। साथ ही, यह शिक्षा यौन हिंसा के शिकार लोगों को अपनी पीड़ा व्यक्त करने और न्याय प्राप्त करने में भी सहायक होती है।

हालांकि, यौन शिक्षा का विभिन्न समाजों में विरोध होता रहा है। कुछ लोग इसे बच्चों के मानसिक विकास के लिए हानिकारक मानते हैं, लेकिन शोध इस बात का समर्थन नहीं करता। बल्कि यह दिखाता है कि जहां यौन शिक्षा दी जाती है, वहां किशोरावस्था में यौन संबंधों की प्रवृत्ति कम होती है, और यौन स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता अधिक होती है।

यौन शिक्षा यौन हिंसा को रोकने का एक प्रभावी और आवश्यक कदम है। इसके जरिए बच्चों और युवाओं को न केवल शारीरिक और मानसिक रूप से जागरूक किया जा सकता है, बल्कि उन्हें यौन संबंधों में जिम्मेदार और संवेदनशील भी बनाया जा सकता है।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

पूरन सरमा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

कजोड़मल जी सरस्वती सभा में !

सुबह का अखबार पढ़कर कजोड़मलजी खुशी से उछल पड़े। उनका नाम प्रदेश साहित्य अकादमी की सरस्वती सभा में सम्मिलित किया गया था। लपककर वे रसाईघर में चाय बना रही पत्नी के पास जाकर बोले - 'अरे भागवान मुझे बधाई दो। मैं अकादमी की सरस्वती सभा का मेंबर बन गया हूँ।' पत्नी ने पतीली में उबल रही चाय को फूंक मारकर कहा -'लेकिन यह सरस्वती सभा होती क्या है?' कजोड़मल जी गर्व से बोले -'सरस्वती सभा विद्वानों की सभा होती है। इसमें राज्य के मूर्धन्य विद्वानों का मनोनयन होता है और वे अकादमी को चलाते हैं, पत्नी ने कहा -'विद्वानों की सभा में आपका नाम कैसे आ गया?' कजोड़मल जी बोले -'देख लो चालीस साल पहले लिखा करता था। उसी साहित्य सेवा का प्रतिफल है कि अध्यक्ष ने मेरे नाम का चयन किया है। भाई अब तो अध्यक्ष नागरमल जी का आभार प्रकट करने जाना ही होगा। कोई गिफ्ट-मिठाई भी ले जाऊँगा, खाली हाथ जाऊँगा तो नागरमल जी को अच्छा नही लगेगा।' पत्नी बोली -'कभी घर में भी मिठाई लाया करो।' कजोड़मल जी खुशी से बोले -'नेकी और पूछ-पूछ, आज ही लाऊँगा।' रसोईघर से बाहर निकलकर कजोड़मल जी ने शेव बनाई और नया कुर्ता-पाजामा पहनकर नागरमल जी के निवास की ओर चल दिये। घर पहुँचे तो वहाँ पहले से ही आठ-दस लोग जमा थे। नागरमल जी कजोड़मल जी को देखकर बोले - 'आइये....आइये ....कजोड़ जी। अच्छे मौके पर आये हो। अरे भाई यह मिठाई की क्या आवश्यकता थी। मुझे तो वैसे ही शुगर है। लो इनसे मिलो, ये सभी अभी बनी सरस्वती सभा के मेंबर हैं। सभी को अच्छा लग रहा है। आप बताइये आपको कैसा लगा?'

'यह भी कोई पूछने की बात है सर। सरस्वती सभा का मतलब मैं अच्छी तरह जानता हूँ। बैठे हुऐ ग्यारसी लाल जी, रेवड़राम जी, परसादी लाल जी और रामकरण जी को देखकर जाना जा सकता है, अकादमी को पुराने दमघोंटू वातावरण से मुक्ति मिली।' कजोडमल जी चापलूसी के अंदाज में बोले तो अध्यक्ष जी बोले -'अब सारा दारोमदार आप सबके कंधों पर है। मैं तो पैसा खर्च कर सकता हूँ, आयोजन व कार्यक्रमों का दारोमदार आप लोगो पर है। अच्छे विचार दीजिये हम उनको लेकर आगे बढ़ेगें।' कजोड़मल जी बोले -'सर, हम क्या विचार देंगे। सब कुछ आप ही करने वाले हैं। आपको साहित्य का लम्बा अनुभव है। हम तो आप के यसमैन, हैं।' उनके यह कहते ही पूर्व विराजमान सभी सदस्यगण बोले -'यस सर, हम तो आपके आदेश के इंतजार में हैं। होगा वही जो आप कहेंगे। नागरमल जी बोले -'इसीलिये आप सब को साथ लिया है। पैसे की कमी नहीं है। बस आपका भरोसा चाहिये।' कजोड़मल जी ही बोले -'सर, आपने भरोसा हम पर किया है तो हम उसे नही तोड़ेंगे। सही पूछे तो हम आने-जाने का टी.ए.-डी.ए. भी नही लेंगे। हमे अकादमी चलानी है। सर, लेकिन मोतीलाल जी, आपके विरोध में है।' नागरमल जी बोले -'उसकी चिंता नहीं है। हाथियों के पीछे लोग यों ही चिल्लाते रहते हैं। मोतीलाल जी, अध्यक्ष बनना चाह रहे थे। लेकिन सतूना उनका बैठा नही। इसलिये परेशान है।'

'सर मोतीलाल जी आपके सामने क्या है? आपकी प्रतिभा का आलोक हर ओर फैला हुआ है। इसलिये मोतीलाल जी की चिंता हम क्यों करे? उनके पेट में मरोड़ उठें तो उठे। सर अकादमी सचिव को थोड़ा समझा देना। वे भी क्या है लंबे समय से एक ही पद पर आसीन होने से उनके पंख लग गये हैं।' कजोड़मल जी ने कहा तो अध्यक्ष जी बोले -'अरे वह तो बेचारा बाबू है। थोड़ा बहुत वह भी कमा-खा लेगा तो अपने बाप क्या जाता है? सरकारी माल है लूटो और खाओ। ऐसा नहीं है कि प्रसाद लगेगा तो खेरा-खांटा बिखरेगा, तो आप लोगों को भी मिलेगा। कजोड़मल जी आप में मुझे, उपाध्यक्ष बनाने की प्रतिभा दिखाई पड़ रही है। संभव है आप उपाध्यक्ष बनें।' कजोड़मल जी उछल पड़े -'सर, मैं कैसे क्या करूंगा?' नागरमल जी हंसकर बोले -'अरे भाई हस्ताक्षर करना जानते हो न। और क्या करना है। कजोड़मल जी बोले -'यस सर।' सबने तालियाँ बजाई और सभा विसर्जित हो गई। लेकिन कजोड़मल जी से यह खुशी संभाले नहीं संभल रही थी कि वे सरस्वती सभा के मेंबर हैं।

कानून और न्याय

न्यायपालिका सम्मेलन-2

विनय झैलावत

(लेखक पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता हैं)

न्यायपालिका के पास समाज में बड़े बदलाव की क्षमता

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि प्रत्येक न्यायाधीश में न केवल अदालत में पेश होने वाले वकीलों के जीवन को बदलने की क्षमता है, बल्कि हमारे समाज के वर्तमान और भविष्य को भी बदलने की क्षमता है। लेकिन, ऐसा करने के लिए हमें न्यायाधीश के रूप में यह महसूस करना चाहिए कि हम अपने अस्तित्व से परे कारणों से मौजूद हैं। हमारा मुख्य कार्य दूसरों की सेवा करना है। ऐसा तब हो सकता है जब हम खुद को उन लोगों के स्थान पर रखें जो हमारे सामने वास्तविक जीवन में पीड़ा और अन्याय की कहानियों के साथ आते हैं।

न्यायपालिका सम्मेलन में यह रेखांकित करते हुए कि आम नागरिकों का जीवन स्तर, जो जीवन की सुगमता से निर्धारित होता है, किसी भी देश के लिए विकास का सबसे सार्थक मापदंड है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जीवन की सुगमता के लिए न्याय तक सरल और आसान पहुंच अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि यह तभी संभव हो सकता है जब जिला अदालतें आधुनिक बुनियादी ढांचे और प्रौद्योगिकी से लैस हों। जिला अदालतों में लगभग 4.5 करोड़ मामलों के लंबित होने की ओर इशारा करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि न्याय में इस देरी को खत्म करने के लिए पिछले दशक में कई स्तरों पर काम किया गया है। उन्होंने बताया कि देश ने न्यायिक बुनियादी ढांचे के विकास के लिए लगभग आठ हजार करोड़ रुपये खर्च किए हैं। उन्होंने आगे कहा कि पिछले पच्चीस वर्षों में न्यायिक बुनियादी ढांचे पर खर्च किए गए धन का 75 प्रतिशत केवल पिछले दस वर्षों में हुआ है। उन्होंने कहा कि इन दस वर्षों में जिला न्यायपालिका के लिए 7.5 हजार से अधिक कोर्ट हॉल और ग्यारह हजार आवासीय इकाइयां तैयार की गई हैं।

ई-अदालतों के महत्व को रेखांकित करते हुए नरेंद्र मोदी ने कहा कि प्रौद्योगिकी के हस्तक्षेप ने न केवल न्यायिक प्रक्रियाओं को गति दी है, बल्कि वकीलों से लेकर शिकायतकर्ताओं तक लोगों की समस्याओं को भी तेजी से कम किया है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि देश में अदालतों का डिजिटलीकरण किया जा रहा है और सर्वोच्च न्यायालय की ई-समिति इन सभी प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ई-कोर्ट परियोजना के तीसरे चरण को 2023 में मंजूरी दी गई थी। उन्होंने कहा कि भारत एक एकीकृत प्रौद्योगिकी मंच बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकग्निशन जैसी उभरती प्रौद्योगिकियां शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र की परिवर्तनकारी यात्रा में बुनियादी ढांचे और तकनीकी प्रगति के साथ-साथ नीतियों और कानूनों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। इसलिए, उन्होंने कहा कि देश ने आजादी के 70 वर्षों में पहली बार कानूनी ढांचे में इतने बड़े और महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। भारतीय न्याय संहिता के रूप में नई भारतीय न्यायिक प्रणाली का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इन कानूनों की भावना नागरिक पहले, गरिमा पहले और न्याय पहले है। प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि हो रही चर्चाओं से देश के लिए मूल्यवान समाधान निकलेंगे और सभी को न्याय का मार्ग मजबूत होगा। इस सम्मेलन में भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने क्षेत्रीय भाषाओं में कानूनी शिक्षा की वकालत की ताकि नागरिकों को उस भाषा में कानूनी ज्ञान के प्रसार का मार्ग प्रशस्त किया जा सके, जिसे वे समझते हैं।

उन्होंने उद्घाटन भाषण देते हुए कहा कि मुझे केवल यह उम्मीद है कि अब हमारे पास हर क्षेत्री भाषा में कानूनी शिक्षा होगी, ताकि हम वकीलों के नए समूह तैयार कर सकें जो अदालतों के समक्ष बहस करने और न्याय के उद्देश्य को बढ़ावा देने के लिए अपनी मातृभाषा में अच्छी तरह से सुसज्जित होंगे। न्यायपालिका में प्रौद्योगिकी को अपनाने के बारे में बताते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के फैसलों का संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त हर भाषा में अनुवाद उद्देश्य किया जा रहा है। 73 हजार अनुवादित निर्णय सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि जबकि जिला न्यायपालिका न्याय की तलाश में एक नागरिक के लिए संपर्क का पहला बिंदु है, राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड (एनजेडीजी) पर डेटा एक बुनियादी सच्चाई का खुलासा करता है कि यह न केवल पहला बल्कि अक्सर, नागरिकों के लिए संपर्क का अंतिम बिंदु है। उन्होंने कहा कि रीढ़ तंत्रिका तंत्र का मूल है और कानूनी प्रणाली की रीढ़ को बनाए रखने के लिए, हमें जिला न्यायपालिका को अधीनस्थ न्यायपालिका कहना बंद करना चाहिए। आजादी के पचहत्तर साल बाद, हमारे लिए ब्रिटिश युग के एक और अवशेष अधीनता की औपनिवेशिक मानसिकता को दफनाने का समय आ गया है। मुख्य न्यायाधिपति ने कहा कि इसके कई कारण हो सकते हैं। कई नागरिक कानूनी प्रतिनिधित्व का खर्च उठाने में असमर्थ है। उनके पास वैधानिक अधिकारों के बारे में जागरूकता की कमी है, और अदालतों तक भौतिक रूप से पहुंचने में भौगोलिक कठिनाईयां हैं। हमारे काम की गुणवत्ता और जिन परिस्थितियों में हम नागरिकों को न्याय प्रदान करते हैं, वे निर्धारित करते हैं कि क्या उन्हें हम पर विश्वास है और यह समाज के प्रति हमारी अपनी जवाबदेही की परीक्षा है। इसलिए जिला न्यायपालिका को जबरदस्त जिम्मेदारी निभाने के लिए कहा जाता है और इसे न्यायपालिका की रीढ़ के रूप में वर्णित किया जाता है।

न्यायाधीशों की भूमिका पर चर्चा करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि प्रत्येक न्यायाधीश में न केवल अदालत में पेश होने वाले वकीलों के जीवन को बदलने की क्षमता है, बल्कि हमारे समाज के वर्तमान और भविष्य को भी बदलने की क्षमता है। लेकिन, ऐसा करने के लिए हमें न्यायाधीश के रूप में यह महसूस करना चाहिए कि हम अपने अस्तित्व से परे कारणों से मौजूद हैं। हमारा मुख्य कार्य दूसरों की सेवा करना है। ऐसा तब हो सकता है जब हम खुद को उन लोगों के स्थान पर रखें जो हमारे सामने वास्तविक जीवन में पीड़ा और अन्याय की कहानियों के साथ आते हैं। उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों की विविध जिम्मेदारियां भी असाधारण चुनौतियां लाती हैं। एक न्यायाधीश के लिए यह मुश्किल है कि वह उस पीड़ा से प्रभावित न हो जो हम में से प्रत्येक को हर दिन होती है। एक परिवार जो एक वीभत्स अपराध का सामना कर रहा है, एक विचाराधीन व्यक्ति जो वर्षों से पीड़ित है या माता-पिता के वैवाहिक विवाद में बच्चे ऐसी ही पीड़ा से से गुजरते है।

(शेष अगले कॉलम में)

दृष्टिकोण

मुकेश योगी

खेल का मैदान नहीं, कैसे युवा अपनी प्रतिभा निखारे?

पिछले कुछ दशकों में 'खेलो इंडिया' के तहत देश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए कई स्तर पर कार्यक्रम और योजनाएं चलाई जा रही हैं. इसका परिणाम है कि गांव-गांव से खेल की प्रतिभाएं निखर कर सामने आ रही हैं. राष्ट्रमंडल खेलों से लेकर ओलंपिक तक विभिन्न स्पर्धाओं में युवा खिलाड़ी मैडल जीतकर देश का नाम रौशन कर रहे हैं. इसके लिए केंद्र से लेकर राज्य सरकार तक खिलाड़ियों को प्रैक्टिस के लिए मैदान और अन्य सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं. लेकिन राजस्थान के शाहपुरा स्थित चांदमा गांव में खेल का मैदान नहीं होने से वहां के नौजवान प्रैक्टिस की सुविधा से वंचित रह जा रहे हैं. इसकी वजह से कई युवा शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं ताकि उन्हें प्रैक्टिस के लिए मैदान उपलब्ध हो सके और वह भी विभिन्न खेल प्रतिस्पर्धाओं में अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें।

दरअसल, खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार का साधन हैं, बल्कि युवाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व कौशल और टीम वर्क के महत्व को भी उजागर करता है. दुर्भाग्यवश शाहपुरा स्थित इस गांव में खेल के मैदान की कमी को पूरा करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं. हालांकि, राजस्थान का यह जिला अपनी सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है, लेकिन यहां के युवाओं के लिए अपने सपनों को साकार करने की राह कठिन हो गई है. इसका एक मुख्य कारण क्षेत्र में खेल के मैदानों की कमी है. इसके अभाव के कारण युवा मानसिक और शारीरिक रूप से कमजोर हो रहे हैं. उन्हें अपनी ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करने के अवसर नहीं मिलते, जो उनकी भविष्य की सफलता के लिए आवश्यक है।

इस संबंध में गांव के 39 वर्षीय प्रेम शंकर योगी कहते हैं कि ÷बचपन से ही मेरा सपना था कि मैं एक अच्छा क्रिकेटर बनूं और राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का प्रतिनिधित्व करूं। लेकिन गांव में खेल का मैदान नहीं होने के कारण मुझे कहीं भी प्रैक्टिस की सुविधा नहीं मिल सकी, जिससे मेरा सपना पूरा नहीं हो सका. मेरी दिली इच्छा है कि जो मेरे साथ हुआ वह मेरे बच्चों के साथ न हो, इसलिए मैं अपने गांव से शहर चला आया ताकि बच्चों को प्रैक्टिस की सुविधा मिल सके और मैं उन्हें एक अच्छा खिलाड़ी बना सकूं।÷ इसके अलावा भोलू राम गुर्जर, कालू राम नाथ, राजेंद्र नाथ, पप्पू नाथ, केदार खाती, हीरा लाल खाती, रामसिंह मीणा, बबलू और महादेव नाथ जैसे युवा भी हैं, जिनके प्रैक्टिस के लिए मैदान उपलब्ध नहीं होने के कारण सपने अधूरे रह गए और वह खेल छोड़कर रोज़गार के अन्य साधनों से जुड़ गए हैं. इसके बावजूद वो गांव में खेल के मैदान उपलब्ध कराने के लिए सक्रिय हैं और लगातार संबंधित विभाग एवं अधिकारियों से मिल रहे हैं।

गांव के 34 वर्षीय सुरेश बैरवा कहते हैं कि ÷मेरा शुरू से ही एक अच्छा हॉकी खिलाड़ी बनने और देश के लिए खेलने का सपना था, लेकिन गांव में मैदान की कमी के कारण कभी अभ्यास का अवसर ही नहीं मिल सका. घर की आर्थिक स्थिति ऐसी थी कि शहर जाकर अभ्यास नहीं सकता था. इसलिए हॉकी खेलने के अपने सपने को छोड़ना पड़ा. वहीं 24 वर्षीय राजू लाल गुज्जर कहते हैं कि मुझे शुरू से ही हॉकी खेलने का बहुत शौक था. मैं अपनी पीढ़ी का एकमात्र लड़का था जिसने परंपरागत कामों से अलग हटकर खेलों में रुचि दिखाई थी. लेकिन गांव में खेल के मैदान की कमी के कारण मुझे हॉकी छोड़ कर कबड्डी चुनने पर मजबूर होना पड़ा. मैंने राज्य स्तर तक कबड्डी खेली है, हालांकि मेरी आज भी पहली पसंद हॉकी है. यदि गांव में मैदान की सुविधा होती तो मैं हॉकी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिखाता. राजू कहते हैं कि गांव में युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए यूथ क्लब भी गठित किया गया है. जहां उन्हें एक पहचान मिलती है. लेकिन जब प्रैक्टिस की कहीं भी सुविधा नहीं होगी तो ऐसे में यूथ क्लब का कोई भी औचित्य नहीं रह जाता है।

चांदमा गांव, शाहपुरा जिला से 32 किमी दूर अजमेर जिले की सीमा पर स्थित है. यह गांव फुलिया कलां उपमंडल के अंतर्गत आता है. यहां करीब 425 परिवार रहते हैं. यह सांगरी ग्राम पंचायत का सबसे बड़ा गांव है जो ग्राम पंचायत से 5 किमी की दूरी पर स्थित है. पंचायत में दर्ज आंकड़ों के अनुसार इस गांव में 18 वर्ष से अधिक उम्र के 1200 से अधिक पुरुष और महिलाएं रहते हैं. गांव में सभी जाति के लोगों की समान संख्या है जिनकी आजीविका का मुख्य साधन कृषि है. यहां शिक्षा की स्थिति यह है कि 2007 तक 8वीं कक्षा तक केवल एक सरकारी स्कूल था, जिसमें 300 से अधिक छात्र-छात्राएं अध्ययनरत थे. 2009 में नया शिक्षा कानून आने के बाद इसे दो स्कूलों में विभाजित कर दिया गया. दोनों विद्यालय काफी अच्छी स्थिति में हैं, बच्चे पढ़ने-लिखने में काफी रुचि रखते हैं, लेकिन खेल के मैदान की कमी के कारण उनमें खेल प्रतिभा निखरने से पहले ख़त्म हो जाती है. हालांकि कई बार ग्रामीणों ने उपमंडल से लेकर जिलाधिकारी के कार्यालय तक गांव में खेल का मैदान उपलब्ध कराने की गुहार लगाई है. जहां उन्हें आश्वासन दिया गया है कि उनके गांव में जल्द ही खेल का मैदान बनाने के लिए ज़मीन उपलब्ध कराई जाएगी।

वर्ष 2009 में, निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा के साथ-साथ, बच्चों को विभिन्न खेलों और मनोरंजन में शामिल करने के लिए खेल के मैदानों को अनिवार्य बनाया गया क्योंकि इससे उन्हें आवश्यक जीवन कौशल, आदतें और दृष्टिकोण विकसित करने में मदद मिलती है. इस अधिनियम के लागू होने के बाद कई बच्चों को खेल के मैदानों से लाभ हुआ, लेकिन अधिनियम के लागू होने के 15 साल बाद भी जमीनी स्थिति पर नजर डालें तो आज भी हजारों बच्चे खेल की सुविधा से वंचित हैं. इसका मुख्य कारण स्कूलों में खेल के मैदान की कमी का होना है. इस संबंध में गांव के युवा पप्पू नाथ बताते हैं कि वर्ष 2010 के बाद स्कूली बच्चों और युवाओं ने कई बार स्कूल में खेल मैदान की मांग की, लेकिन बार-बार उन्हें केवल आश्वासन ही मिला है. आज भी स्कूली बच्चे खेल के मैदान का सपना देख रहे हैं. जबकि स्कूल के निर्माण के साथ ही खेल के मैदान उपलब्ध करना भी अनिवार्य होता है. वह बताते हैं कि पहले स्कूल के पीछे खाली पड़े प्लाट पर बच्चे खेलते थे. लेकिन उसमें भी निर्माण कार्य हो जाने के बाद अब बच्चों के खेलने के लिए कोई मैदान नहीं बचा है. पप्पू नाथ के अनुसार शिक्षा के साथ-साथ खेल भी बच्चों और युवाओं के सर्वांगीण विकास का एक अहम हिस्सा है. लेकिन उन्हें जब यह सुविधा नहीं मिलती तो इससे उनकी विकास प्रक्रिया रुक जाती है. इस समस्या के समाधान के लिए प्रत्येक स्तर पर पर्याप्त कदम उठाने की ज़रूरत हैं. कुछ स्थानीय संगठन और सामाजिक कार्यकर्ता लगातार इस मुद्दे पर अपनी आवाज उठा रहे हैं।

वास्तव में, खेल का मैदान सिर्फ मैदान नहीं होता है बल्कि यह एक ऐसा मंच होता है जहां प्रतिभाएं हक़ीकत का रूप लेती हैं. लेकिन इसकी कमी ने चांदमा गांव के युवाओं की क्षमता को सीमित कर दिया है. जिस पर सभी को ध्यान देने की ज़रूरत है ताकि उन्हें भी खेलने का भरपूर अवसर मिले और वह भी एक उज्ज्वल भविष्य की ओर कदम बढ़ा सकें।

इससे न केवल उनका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होगा बल्कि वे भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी गांव का नाम रोशन कर सकते हैं. ऐसे में ज़रूरत है इस महत्वपूर्ण समस्या के समाधान के लिए सभी को मिलकर एकसाथ आगे आने की. (चरखा फीचर्स)

इन्दौर उज्जैन सिक्स लेन की निर्माण लागत में भ्रम ?

सरोकार

डॉ. चन्दर सोनाने

लेखक एमपी जनसंपर्क विभाग के सेवानिवृत्त अधिकारी हैं।

देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु ने 19 सितम्बर 2024 को 1692 करोड़ रूपये की लागत की इंदौर-उज्जैन 6 लेन निर्माण का भूमिपूजन उज्जैन में किया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश के राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी उपस्थित थे। यह प्रोजेक्ट मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का ड्रीम प्रोजेक्ट है। मुख्यमंत्री बनने के बाद डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन को अनेकों सौगातें दी है। उन्हीं में से यह सौगात एक प्रमुख सौगात है।

किन्तु 8 फरवरी 2024 को प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने भोपाल मंत्रालय में सिंहस्थ 2028 के आयोजन एवं इन्दौर-उज्जैन हाई-वे पर बढ़ते हुए यातायात दबाव को देखते हुए इन्दौर-उज्जैन हाई-वे को 6 लेन बनाने की लोक निर्माण विभाग द्वारा तैयार कार्य योजना की प्रस्तुतीकरण को देखा। प्रस्तुतीकरण में इस कार्य की लागत 988 करोड़ रूपए की बताई गई। यह 6 लेन इन्दौर के अरबिन्दो मेडिकल कॉलेज गेट से उज्जैन के हरिफाटक चौराहे तक 48 किलोमीटर में बनाई जायेगी। इसमें सर्विस रोड़, दो बड़े पुल सहित उज्जैन शहर में फ्लाय ओवर भी बनाने की जानकारी दी गई। इस बैठक में विभाग के प्रमुख सचिव श्री डी.पी आहूजा, 6 लेन की निर्माण एजेंसी सड़क विकास निगम के प्रबंध संचालक श्री अविनाश लवानिया और संबंधित वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

यहाँ यह प्रश्न उत्पन्न होता है कि जब विभाग के मंत्री के समक्ष उज्जैन-इन्दौर 6 लेन की लागत 988 करोड़ रूपए बताई गई तो भूमि पूजन के समय इसकी लागत 704 करोड़ रूपए बढ़कर 1692 करोड़ रूपए कैसे हो गई ? यहाँ यह भी प्रश्न उत्पन्न होता है कि जब विभाग के प्रस्तुतीकरण में उज्जैन-इन्दौर 6 लेन की लागत 988 करोड़ रूपए बताई गई थी और भूमिपूजन के समय बढ़कर 1692 करोड़ हो गई, तो योजना के लोकार्पण के समय क्या इसकी लागत 2000 करोड़ हो जाएगी ?

ऐसा क्यों होता है कि जब कोई योजना बनाई जाती है तो उसकी लागत कम होती है, भूमिपूजन के समय बढ़ जाती है और निर्माण कार्य के लोकार्पण के समय उसकी लागत और भी बढ़ जाती है। इसके क्या कारण हैं? सहज ही समझ में आने वाली बात यह है कि कार्य योजना ही सही नहीं बनाई गई थी। अधिकारी द्वारा जो इस पर शुरूआत में जो मेहनत करनी होती है, वह शायद नहीं की गई। और जब काम शुरू होता है और पूरा होता है तब तक निर्माण कार्य की लागत कई गुना बढ़ जाती है। दूसरी समझ में आने वाली बात यह है कि किसी भी निर्माण कार्य में राजनीति और अधिकारियों के गठबंधन से खुलकर भ्रष्टाचार होता है। उन्हीं के ये उदाहरण मात्र है।

आइये, निर्माण कार्यों की लागत क्रमशः कैसे बढ़ती है ? इसके दो और उदाहरण देखते हैं। उज्जैन में ही कुछ साल पहले नगर निगम के पास में एक स्वीमिंग पुल बनाया गया। शुरूआत में इसकी लागत करीब 4 करोड़ थी। बाद में बढ़कर करीब 8 करोड़ हो गई और जब स्वीमिंग पुल पूर्ण हुआ तो उसकी लागत करीब 12 करोड़ बताई गई। उस समय इस स्वीमिंग पुल के निर्माण लागत की शहर में काफी चर्चा भी हुई थी। आज यह बिना उपयोग के बेकार पड़ा हुआ है। यह एक अलग प्रश्न है।

उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर परिसर में भव्य महाकाल लोक का निर्माण किया गया। कांग्रेस शासन के समय महाकाल लोक की मूल लागत करीब 300 करोड़ बताई गई थी। फिर भाजपा सरकार आ गई तो लागत बढ़कर करीब 600 करोड़ हो गई। 11 अक्टूबर 2022 को देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इसके प्रथम चरण का भव्य लोकार्पण किया। तब इस प्रथम चरण की लागत करीब 350 करोड़ रूपए बताई गई। दूसरे चरण का निर्माण अभी भी चल रहा है। इसकी लागत उस समय करीब 450 करोड़ बताई गई थी। यानी दोनों चरण की लागत करीब 800 करोड़ रूपए बताई गई। आज यह राशि करीब 1000 करोड़ रूपए से अधिक की बताई जा रही है। यह चमत्कार कैसे हो रहा है ? यहाँ यह उल्लेखनीय है कि 11 अक्टूबर 2022 को महाकाल लोक के लोकार्पण के बाद पहली ही आँधी और बारिश में सप्त ऋषियों की मूर्तियाँ धराशायी हो गई थी। तब ताबड़तोड़ नई मूर्तियाँ लगाई गई। यह भ्रष्टाचार का एक ज्वलंत उदाहरण है। अब सप्त ऋषियों की मूर्तियाँ पत्थर की बनाई जा रही है।

आए दिन विभिन्न निर्माण एजेंसियों द्वारा निर्माण कार्यों में लागत बढ़ने का चमत्कार सहज ही देखने में आ रहा है। ऐसा क्यों होता है ? इस पर राज्य सरकार को सोचना चाहिए। उज्जैन के विधायक और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव युवा और स्वप्नदृष्टि वाले मुख्यमंत्री है। उन्हें इस पर गौर करने की आवश्यकता है और व्यवस्था में सुधार करने की जरूरत है, ताकि फिर किसी अन्य निर्माण कार्य में कार्य योजना बनाने के समय, भूमिपूजन के समय और निर्माण कार्य पूर्ण होने के समय तक लागत करीब-करीब एक जैसी रहे। बढ़े भी तो आंशिक रूप से बढ़े, ना कि दो से तीन गुना बढ़े। अन्यथा जैसा चल रहा है वैसा कि चलता रहेगा...।

स्कूल के रूटीग स्वास्थ्य परीक्षण में 10वीं की छात्रा निकली गर्भवती, स्कूल में मचा हड़कम्प

रातोंरात छात्रा को भेजना पड़ा अस्पताल, जांच में जुटी टीम, आरोपी को किया राउंडअप

बैतूल/शाहपुर। आदिवासी जिला बैतूल का ट्रयवल विभाग लगातार अखबारों की सुर्खियों में बना हुआ है, विगत दिनों थपोड़ा के छात्रावास के बाथरूम में कैमरे लगाने का मामला अभी ठंडा भी नहीं पडा था कि आज शाहपुर थाना अंतर्गत एक ट्राईबल स्कूल की दसवीं क्लास की छात्रा रूटिंग स्वास्थ्य परीक्षण में गर्भवती मिली। छात्रा के गर्भवती होने के बाद स्कूल प्रबन्धन सहित विभागीय अधिकारियों में हड़कंप मच गया है। सूत्रों से जानकारी मिली है कि शाहपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले एक गांव में यह घटना सामने आने के बाद स्कूल के प्राचार्य सहित जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारियों में हड़कंप मच गया। मामला सामने आने के बाद तत्काल छात्रा को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहपुर लाया गया। यहां से उसे मेडिकल के लिए जिला अस्पताल रवाना कर दिया है। जानकारी के अनुसार इसकी सूचना शाहपुर थाने को भी दी है और जनजातीय कार्य विभाग से आज जांच के लिए टीम भी रवाना की गई है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक घटना को लेकर अन्य गांव के रहने वाले एक युवक पर आरोप लगाया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सक्रिय हुए अधिकारियों ने तत्काल शाहपुर पुलिस को सूचना देकर युवक के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने तत्परता से छात्रा के साथ दुराचार

करने वाले युवक को राउंडअप भी कर लिया है।

स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंची गांव

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक नियम अनुसार छत्राओं के रूटीन चेकअप के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम स्कूल पहुंची थी। जहां चेकअप के दौरान छात्रा के गर्भवती होने की चौंकाने वाली जानकारी सामने आई। घटना के बाद मौके पर हड़कम्प की स्थिति निर्मित हो गई। स्कूल के प्राचार्या को भी इसकी सूचना दी गई। रात्रि करीब 10 बजे छात्रा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहपुर लाया गया। इसके बाद उसे जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया है। बड़ी बात यह है कि छात्रा के गर्भवती होने के मामले में न तो स्कूल प्रबंधन और न ही अन्य को जानकारी लगी। जब रूटिन चेकअप करने टीम पहुंची , तो छात्रा के गर्भवती होने की बात सामने आई। बताया तो यह भी जा रहा है कि रूटिन चेकअप में देरी के कारण इस तरह की घटना सामने आई है। कहीं न कहीं स्कूल प्रबंधन की भी बड़ी चूक कही जा सकती है।

जानकारी यह भी मिली है कि इस गंभीर मामले की जांच के लिए जिला मुख्यालय से भी टीम गांव भेजी जा रही है, जब इस मामले की पुष्टि के लिए ट्राइबल विभाग की सहायक आयुक्त को फोन किया गया तो उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया। हां शाहपुर बीईओ ने जरूर इस घटना की पुष्टि की है। इधर छात्रा की शिकायत पर शाहपुर थाने में आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया गया है, उसे न्यायालय में पेश किए जाने की तैयारी पुलिस कर रही है।

इनका कहना

स्कूल के रूटीन चेकअप के दौरान एक छात्रा की प्रेगनेंसी रिपोर्ट पॉजिटिव पाई गई थी । इसकी जानकारी स्कूल प्रबंधन और पुलिस को देने के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया था।

-डॉ एसके रघुवंशी, बीएमओ शाहपुर

परीक्षण के बाद छात्रा को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज कर उच्च अधिकारियों को भी इसकी जानकारी दी गई है। मामले की जांच टीम के द्वारा की जा रही है।

-वीके नामदेव, बीईओ शाहपुर

छात्रा की शिकायत के बाद आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर राउंडअप किया गया है। सोमवार को उसे न्यायालय में पेश किया गया।

-जयपाल इवनाती, टीआई शाहपुर

मानसिक रूप से कमजोर युवक परमंडल पहुंचा, ग्रामीणों ने चोर समझकर पेड़ से बांधा

बैतूल/मुलताई – ग्राम परमंडल में बीती रात करीब 2 बजे एक मानसिक रूप से कमजोर युवक ट्रेन से उतरकर गांव में घुस गया। यह युवक यहां लोगों के घर के दरवाजे खटखटाकर दरवाजा खोलने के लिए कह रहा था। जिससे कि ग्रामीणों को लगा कि यह युवक चोर है।

जिसके बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए और उन्होंने इस युवक को पेड़ से बांध दिया। प्रणव पवार ने तुरंत इसकी सूचना मुलताई पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और युवक को थाने लाई, जहां से उसे परिजनो को सौंप दिया गया। एसआई अमित पवार ने बताया कि छत्तीसगढ़ के अकीरा निवासी प्रवीण कुमार अपने भाई अजय कुमार के साथ ट्रेन से नागपुर की ओर जा रहे थे। प्रवीण कुमार मुलताई के पास ट्रेन से उतर गया और परमंडल गांव पहुंच गया। जिसकी सूचना उसके भाई अजय कुमार ने पांढुर्णा रेलवे स्टेशन पर दी थी। इधर ग्राम परमंडल से रात को सूचना मिलने पर तुरंत ही पुलिस गांव पहुंची और प्रवीण को मुलताई ले आई। जिसकी सूचना उन्होंने तुरंत की उसके भाई अजय कुमार को दी। अजय कुमार ने बताया कि उनका भाई मानसिक रूप से कमजोर है और वे लोग छत्तीसगढ़ वापस जा रहे थे, लेकिन मुलताई के पास उनका भाई ट्रेन से उतर गया, पुलिस ने प्रवीण कुमार को उसके भाई अजय कुमार के सुपुर्द कर दिया।

विद्युत कटौती शेड्यूल जारी

बैतूल। मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड बैतूल शहर जोन-2 के द्वारा 24 सितंबर को 11 केव्ही फीडर टाऊन-2 का मेंटेनेंस कार्य किया जाना है। प्रबंधक ने बताया कि मेंटेनेंस कार्य के चलते मंगलवार को प्रातः 10 से दोपहर 2 बजे तक लिंक रोड, चंद्रशेखर वार्ड, कारगिल चौक, बारस्कर कॉलोनी, इंदिरा वार्ड, पीडब्ल्यूडी कॉलोनी, कोठी बाजार, कंपनी गार्डन, आजाद वार्ड, गर्ल्स कॉलेज, वीवीएम कॉलेज, तलैया मोहल्ला, अंबेडकर चौक, उपम किराना, राठी अस्पताल, ड्रीम होम्स कॉलोनी, नेहरू पार्क, बस स्टैंड, एमजी काम्पलेक्स, लक्ष्मी चौक, सीमेंट रोड आदि क्षेत्र में विद्युत सप्लाई बंद रहेगी। उन्होंने बताया कि अपरिहार्य कारणों से समय में परिवर्तन किया जा सकता है।

रोजगार गारंटी योजना के कार्यों के संबंध में खंडस्तरीय जनसुनवाई आज से

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देश पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत वर्ष 2019-20 से 2023-24 में जिले की 10 जनपद पंचायतों में सम्मिलित ग्राम पंचायतों में किए गए सामाजिक अंकेक्षण में अनिर्णित मुद्दों के निराकरण के संबंध में विकासखंड स्तरीय जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन ने बताया कि मुलताई एवं प्रभात पट्टन की विकासखंड स्तरीय जनसुनवाई 24 सितंबर को जनपद पंचायत मुलताई में आयोजित की गई है। इसी तरह आठनेर एवं भैंसदेही के लिए जनपद पंचायत भैंसदेही में 27 सितंबर को तथा शाहपुर एवं घोड़ाडोंगरी विकासखंड स्तरीय जनसुनवाई 1 अक्टूबर को जनपद पंचायत शाहपुर में आयोजित की जाएगी। जनसुनवाई में सामाजिक अंकेक्षण विशेष ग्राम सभा के अध्यक्ष, ग्राम संपरीक्षा समिति के सदस्य, सामाजिक अंकेक्षण दल के सदस्य, निर्णित समिति के सदस्य एवं क्रियान्वयन एजेंसी के समस्त सदस्य उपस्थित रहेंगे।

भूतपूर्व सैनिकों की बैठक 25 सितंबर को

बैतूल। भूतपूर्व सैनिकों की बैठक 25 सितंबर को नगर परिषद सारणी के सभाकक्ष में दोपहर 1.30 बजे से आयोजित की गई है। कैप्टन (आई एन) सुमित सिंह सेवानिवृत्त जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने भूतपूर्व सैनिकों, शहीद सैनिकों की पत्नियों से यथा समय बैठक में उपस्थित होने का अनुरोध किया है।

प्लास्टिक मुक्त ग्राम अभियान का आयोजन आज

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देश पर स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेस-2 अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के अंतर्गत जिले के समस्त ग्रामों में 24 सितंबर को एक दिवसीय प्लास्टिक मुक्त ग्राम अभियान का आयोजन किया जाएगा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन ने बताया कि स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता की थीम पर समस्त ग्राम पंचायतों, कार्यालय, स्कूल, आंगनवाड़ी केन्द्र, स्वास्थ्य केन्द्र में प्लास्टिक मुक्त अभियान चलाकर प्लास्टिक कचरे को एकत्रित कर अपने परिवेश को प्लास्टिक मुक्त बनाया जाएगा। एकत्रित प्लास्टिक कचरे की मात्रा का रिकार्ड संधारण करते हुए एकत्रित प्लास्टिक को सेग्रीगेशन शेड पर संधारित किया जाएगा।

नवविवाहिता ने की आत्महत्या, पैर पर लिखा, पापा मैं हार गई

बैतूल। यह हृदय विदारक घटना जिले के बोरदेही थाना क्षेत्र के बासन्या गांव से जुड़ी है, जहाँ एक नवविवाहिता ने आत्महत्या कर ली। शादी के केवल पाँच महीने बाद शिवानी नामक इस 19 वर्षीय युवती ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। आत्महत्या करने से पहले, उसने अपने पापा के नाम एक मार्मिक संदेश अपने पैर पर लिखा, जिसमें उसने बताया कि वह अब और प्रताड़ना सहन नहीं कर सकती। इस दुखद घटना का कारण दहेज उत्पीड़न बताया जा रहा है। शिवानी ने सुसाइड नोट में अपने पति, जेठ, ननद, और सास को जिम्मेदार ठहराया है, जिन्होंने उसे लगातार शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है, और एसडीओपी मुलताई इस जांच का नेतृत्व करेंगे, क्योंकि यह मामला एक नवविवाहिता की मृत्यु से संबंधित है। शिवानी के पिता, राजकुमार पंडोले, का कहना है कि उनकी बेटी ने घटना से पहले उन्हें फोन किया था, जिसमें उसने अपने पिता से मदद की गुहार लगाई थी।

थाना बैतूलगंज पुलिस द्वारा ईद मिलादुन्नबी

बिना अनुमति डीजे बजाने वाले संचालकों से 3 डीजे और 3 वाहन जब्त किए गए

बैतूल। पुलिस जिले में शांति, सुरक्षा और सांप्रदायिक सद्भावना बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया के निर्देशन में अवैधानिक कार्य करने वालों एवं नियम निर्देशों की अवहेलना करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने थाना प्रभारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में शांति भंग करने वालों के खिलाफ सख्ती से निपटें। इसी कड़ी में, गंज थाना प्रभारी रविकांत डहेरिया ने सक्रियता दिखाते हुए तीन डीजे संचालकों, जो बिना अनुमति के नियमों का उल्लंघन कर रहे थे, से 03 डीजे और 03 वाहन जप्त किए हैं। ज्ञात हो कि 13 सितम्बर को जिला पंचायत भवन, कलेक्टर परिसर बैतूल में जिला कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी एवं पुलिस अधीक्षक निश्चल एन. झारिया की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में राजस्व, नगरपालिका, पीडब्ल्यूडी, एमपीईबी और पुलिस विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में जिले के गणमान्य नागरिक, शांति समिति के सदस्य, ईद और संदल कार्यक्रम के आयोजक, गणेश प्रतिमा विसर्जन के आयोजक, और डीजे संचालक भी शामिल हुए थे। बैठक में सभी आयोजकों व डीजे

संचालकों को निर्देश दिए थे कि त्योहारों का शांतिपूर्ण ढंग से आयोजन किया जाए। किसी भी प्रकार के हथियार प्रदर्शन, यातायात बाधित करने, और बिना अनुमति डीजे बजाने पर रोक लगाई गई थी। उन्होंने यह भी निर्देशित किया था कि रात 10 बजे के बाद डीजे बजाने की अनुमति नहीं होगी और सुप्रीम कोर्ट व राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा। इसी के तहत, राजीव नंदन श्रीवास्तव (अपर जिला दंडाधिकारी, बैतूल) द्वारा आदेश पारित किए गए, जिनकी सूचना जनसंपर्क विभाग और समाचार माध्यमों के माध्यम से आम जनता तक पहुंचाई गई थी। 15 सितम्बर की रात संदल कार्यक्रम और 17-18 सितम्बर की रात गणेश विसर्जन के दौरान, कुछ डीजे संचालकों ने बिना अनुमति के तेज आवाज में डीजे बजाया, जिससे आम जनता और बीमार व्यक्तियों को असुविधा हुई। इस पर थाना गंज पुलिस ने 05 डीजे संचालकों के खिलाफ अपराध क्रमांक 333-24, 334-24, 335-24, 338-24 और 339-24 धारा 223 बीएनएस 2023, 7-15 म.प्र. कोलाहल अधिनियम 198, और 39-192 (1) एम.व्ही. एक्ट के तहत मामले दर्ज किए। विवेचना के दौरान, 22 सितम्बर को थाना गंज पुलिस ने 04 अपराधों में 1- शीतला माता धुमाल पार्टी डीजे, 2- न्यू बाबा चिंतामन धमाल ग्रुप डीजे, और 3- अन्ना सोनू डीजे धमाल ग्रुप से कुल 3 डीजे और उनके 03 वाहन जप्त किए। इनका प्रकरण तैयार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। इस कार्यवाही में निरीक्षक रविकांत डहेरिया, उप निरीक्षक रणधीर सिंह राजपूत, सहायक उप निरीक्षक उमेश बिल्लोरे, सुरेश शाक्य, जीपी बिल्लोरे, प्रधान आरक्षक हितु लाल, प्रधान आरक्षक चंद्र किशोर, आरक्षक मंतराम, अनिरुद्ध, सुरजीत, नरेंद्र और चालक दीपक सनोडिया की विशेष भूमिका रही।

ग्रामों में सामुदायिक नेतृत्व खड़ा करना पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य: कौशलेश तिवारी

स्वस्थ समाज के निर्माण में स्वच्छता की महत्वपूर्ण भूमिका : मधु चौहान

बैतूल। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद आठनेर के निर्देशन में चल रहे सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम (सीएमसीएलडीपी) के अंतर्गत समाज कार्य में स्नातक एवं स्नातकोत्तर की कक्षाओं का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर नर्मदापुरम संभाग के संभाग समन्वयक कौशलेश तिवारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए

कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामों में सामुदायिक नेतृत्व खड़ा करना है। ग्रामों के समग्र विकास में छात्र-छात्राओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है, जिससे स्थानीय समुदाय का उत्थान हो सके। आठनेर विकासखंड समन्वयक मधु चौहान ने स्वच्छता के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि साफ-सफाई एक अच्छी आदत है और स्वस्थ समाज के निर्माण में इसकी अहम भूमिका है। उन्होंने कहा, स्वच्छ पर्यावरण और आदर्श जीवनशैली के लिए स्वच्छता बेहद महत्वपूर्ण है। चौहान ने इस बात पर भी जोर दिया कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है और इसलिए स्वच्छता से ही अच्छा स्वास्थ्य प्राप्त किया जा सकता है।

मेंटर गोवर्धन राणे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए स्वच्छता अभियान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केवल शासकीय विभाग का कार्य नहीं है, बल्कि समाज के हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। हमें इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए ताकि हम सभी एक स्वस्थ जीवन जी सकें। मेंटर आशुतोष सिंह चौहान ने कहा कि स्वच्छता की जिम्मेदारी हमें खुद से शुरू करनी होगी। हमें अपने घर, आस-पास, समाज, समुदाय और पर्यावरण को रोज स्वच्छ रखना चाहिए। इस कार्यक्रम के बाद सभी छात्र-छात्राओं ने स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत स्वच्छता रैली निकाली, जो कॉलेज रोड से होते हुए बागेश्वर हनुमान मंदिर तक गई, जहां स्वच्छता श्रमदान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भैंसदेही विकासखंड समन्वयक विकास कुमरे, नवांकुर संस्था अध्यक्ष कैलाश आजाद, नवांकुर ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सावंगी अध्यक्ष दिनेश माकोड़े, जागृति ग्राम विकास समिति के अध्यक्ष देवीदास गावड़े, मेंटर सतीश ठाकरे, दिनेश साकरे, प्रस्फुटन समिति देहगुड अध्यक्ष सुभाष सिलधरे और जयदीप सिलधरे के साथ बड़ी संख्या में सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सीएमसीएलडीपी छात्रों और अन्य उपस्थित लोगों ने स्वच्छता जागरूकता के लिए मानव श्रृंखला बनाकर स्वच्छता का संदेश दिया। कार्यक्रम का समापन स्वच्छता संकल्प और समरसता प्रसादी के साथ हुआ।

मेहरा समाज की महिला जिला अध्यक्ष बनीं ललिता बिसोने

भैंसदेही में आयोजित हुआ समाज का सम्मेलन, संगठन का किया विस्तार, चार विकासखंडों से जुटे प्रतिनिधि

बैतूल। मेहरा समाज समिति की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन भैंसदही के उमा लॉन में संपन्न हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने भाग लिया। इस बैठक में मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष अशोक नागले और अध्यक्षता जिला अध्यक्ष संतु सूर्यवंशी ने की। कार्यक्रम में आमला नगर पालिका अध्यक्ष नितिन गाड़रे, प्रांतीय संरक्षक जी सी पुर्वे, मुख्य संरक्षक चंद्रकिशोर बेले, जिला महासचिव मुकेश पडोले, किसान प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष अशोक बिसोने, प्रांतीय सचिव युवा प्रकोष्ठ रंजीत बेले, मारुति बिसोने, राकेश सोने, आर पी पारदे, अशोक गोहे, गुट्टू बिहारे और आमला ब्लॉक अध्यक्ष अजय बचले समेत बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बैठक की शुरुआत डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के छायाचित्र पर माल्यार्पण से हुई। बैठक के दौरान संतु सूर्यवंशी ने सर्वसम्मति से ललिता बिसोने को महिला जिला अध्यक्ष नियुक्त किया। इसके साथ ही जिला उपाध्यक्ष के रूप में डॉ. भूतासिंह बड़ैदे, रम्मू बेले, महेश बेले, जिला संरक्षक विकास बिसोने,

जिला सचिव जगदीश कोगे, सह सचिव विनोद बिसोने, भैंसदही ब्लॉक अध्यक्ष चोलाराम आठोले और भीमपुर ब्लॉक अध्यक्ष सहदेव पाटील की नियुक्ति की गई। इस महत्वपूर्ण आयोजन में महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष अजनेरिया और महाराष्ट्र जिला अध्यक्ष राजेश सेमलकर विशेष रूप से उपस्थित रहे। सम्मेलन में चार विकासखंड भीमपुर, चिचोली, भैंसदही, और आठनेर से आए मेहरा समाज के सदस्यों की भागीदारी रही। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राजेश बिसोने, हरीश उज्जैन सहित अनेक समाज के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला मुख्य संरक्षक चंद्रकिशोर बेले ने किया और आभार प्रदर्शन प्रदेश महासचिव रंजीत बेले ने किया।

खुलेगा मरही माता मंदिर मार्ग ,हटाया जाएगा लोहे का गेट ,एसडीएम अनीता पटेल ने दिए आदेश

बैतूल/मुलताई – मुलताई में मरही माता मंदिर का मार्ग बंद करने की शिकायत के बाद मरी माता मंदिर परिसर जांच के लिए पहुंची एसडीएम मुलताई अनीता पटेल ने कहा कि मरही माता मंदिर राजस्व अधिकार अभिलेख में दर्ज है और यहां पहुंच मार्ग सार्वजनिक प्रचलित मार्ग है जिसे बंद नहीं किया जा सकता। जब उक्त किसान ने यह भूमि खरीदी थी रजिस्ट्री में भी इस मार्ग का उल्लेख है। एसडीम ने साथ पहुंचे राजस्व अधिकारी रवि पदाम आर आई एवं पटवारी मुकेश भारत को आदेशित किया कि उपस्थित मंदिर के सदस्य एवं गंणमान्य नागरिकों के समक्ष पंचनामा बनाएं इसके बाद वह मुख्य गेट पर लगाए गए लोहे के गेट को हटाए जाने के आदेश करेगी। अगर इस आदेश के तहत भूमि स्वामी अगर गेट हटा लेते हैं तो ठीक है अन्यथा प्रशासन इसे हटाएगा ।

मरही माता मंदिर नगर का प्रमुख प्रसिद्ध मंदिर है- मासोद रोड स्थित प्रसिद्ध प्राचीन मरही माता मंदिर अत्यंत प्राचीन एवं धार्मिक स्थल है जहां दूर-दूर से प्रतिवर्ष श्रद्धालु आते हैं इस मंदिर की अपनी मान्यताएं हैं और यहां हमेशा ही भंडारा प्रसाद

जी का विशाल रूप से आयोजन होते रहता है किंतु इन दोनों यह प्रसिद्ध मंदिर मार्ग विवाद को लेकर चर्चाओं में है। मंदिर के समीप स्थित एक खेत स्वामी ने मंदिर के सार्वजनिक मार्ग पर लोहे का गेट लगाकर मार्ग बंद कर था। जिसको लेकर मरही माता मंदिर के श्रद्धालुओं में भारी रोष था और इसको लेकर विरोध प्रदर्शन को देखते हुए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनीता पटेल एवं थाना प्रभारी ने राजस्व एवं पुलिस टीम के साथ मरही माता मंदिर पहुंची थी । एसडीम ने मारी माता मंदिर के सदस्यो के साथ मरी माता मंदिर परिसर पहुंचकर गेट लगाकर मार्ग अवरुद्ध करने वाले किसान से गेट खुलवाया इसके उपरांत मरही माता मंदिर पहुंची जहां उन्होंने सभी मरही माता मंदिर सदस्य संजय यादव, प्रहलाद ठाकुर नगर पालिका उपाध्यक्ष शिवकुमार माहोरे,सुमित शिवहरे, पार्षद अजय यादव, पूर्व पार्षद भीवजी पवार, सुरेश पौनिकर सहित सार्वजनिक मार्ग को बंद करने वाले किसान से चर्चा की।

सामाजिक सरोकारों के लिए है, 'राष्ट्रीय सेवा योजना'

55 वीं वर्षगांठ पर विशेष

राहुल सिंह परिहार

लेखक बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल में 'राष्ट्रीय सेवा योजना,' मुक्त-इकाई के कार्यक्रम अधिकारी, हैं। वे 'इंदिरा गांधी एनएसएस पुरस्कार' से सम्मनित हैं।

आज की दुनिया में युवाओं के सामने चुनौती है कि शिक्षा के साथ-साथ वे ऐसा क्या करें जो उनके व्यक्तित्व को न केवल प्रभावशाली बनाए, बल्कि राष्ट्र निर्माण की ओर भी प्रेरित करे? इस प्रतिस्पर्धात्मक युग में, जहाँ हर कोई अपने लिए कुछ अलग और विशिष्ट हासिल करना चाहता है, यह भी ज़रूरी है कि हम अपनी संस्कृति से जुड़े रहें और अपने कर्तव्यों का बोध रखकर समाज और राष्ट्र की उन्नति में भागीदारी करें।

इसी संदर्भ में, भारत सरकार की एक योजना 'राष्ट्रीय सेवा योजना' (एनएसएस) 1969 में महात्मा गांधी की जन्मशताब्दी के उपलक्ष्य में प्रारंभ की गई थी। 'एनएसएस' का मुख्य उद्देश्य युवाओं में नेतृत्व कौशल और समाज-सेवा के माध्यम से सर्वांगीण विकास करना है। इस योजना का आरंभ उन आदर्शों पर हुआ था जो राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जीवन और समाज-सेवा के प्रति उनके गहरे समर्पण पर आधारित थे।

'एनएसएस' की स्थापना का विचार कई महत्वपूर्ण आयोगों और बैठकों के परिणामस्वरूप सामने आया। 1950 के 'शिक्षा आयोग' की सिफारिशों और पंडित जवाहरलाल नेहरू के सुझावों के बाद, 24 सितंबर 1969 में 'एनएसएस' की नींव रखी गई। यह योजना 37 विश्वविद्यालयों के 40,000 छात्रों के साथ शुरू हुई थी। इन 55 वर्षों में यह योजना 40 लाख से अधिक युवाओं के जीवन का हिस्सा बन चुकी है।

'एनएसएस' में भाग लेने वाले विद्यार्थी 'शिक्षा द्वारा समाज-सेवा, समाज-सेवा द्वारा शिक्षा' के लक्ष्य के साथ न केवल समाज, समुदाय और उनकी समस्याओं को समझते हैं, बल्कि अपने व्यक्तित्व को निखारकर एक कुशल नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरते हैं। श्रम की महत्ता, समाज में व्याप्त कुरीतियों के उन्मूलन के लिए जागरूकता और विभिन्न सामुदायिक सेवाएं छात्रों को जीवन की व्यावहारिक चुनौतियों से जूझने के लिए तैयार करती हैं।

'एनएसएस' के माध्यम से छात्र कई कौशल विकसित करते हैं, जैसे - समय-प्रबंधन, आत्मनिर्भरता और प्रतिकूल परिस्थितियों में कार्य करना। वे समाज-सेवा के माध्यम से सद्चरित्र, साहस, निर्णय लेने की क्षमता और प्रजातांत्रिक मूल्यों को आत्मसात करते हैं। 'एनएसएस' विद्यार्थियों को सामाजिक चेतना और राष्ट्रीय एकता का अनुभव कराती है, जिससे उनके विचारों में परिपक्वता और उनके चरित्र में सकारात्मकता का संचार होता है। इसके साथ ही छात्र श्रम की गरिमा को समझते हुए नए भारत के निर्माण में भागीदार बनते हैं।

'एनएसएस' छात्र-छात्राओं को न केवल स्थानीय, बल्कि राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है। हर साल विभिन्न राज्य-स्तरीय 'नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर,' 'राष्ट्रीय एकता शिविर,' 'युवा उत्सव,' 'साहसिक गतिविधि शिविर' और गणतंत्र दिवस परेड जैसे आयोजनों में भाग लेकर 'एनएसएस' के स्वयंसेवक देश का गौरव बढ़ाते हैं। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय युवा विनिमय कार्यक्रमों के माध्यम से 'एनएसएस' के युवा वैश्विक मंच पर अपने अनुभव और विचारों को साझा कर सकते हैं।

मध्यप्रदेश सरकार ने 'एनएसएस' को मान्यता देते हुए इसे 'नई शिक्षा नीति' में पाठ्यक्रम के एक विषय के रूप में शामिल किया है। इस पहल से छात्र-छात्राएं 'एनएसएस' के सिद्धांतों का अध्ययन कर, सामाजिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक हो रहे हैं और समाज-सेवा के प्रति रुचि बढा रहे हैं। 'एनएसएस' यह सिद्ध करती है कि समाज-सेवा मानव का कर्तव्य है और इसका अंतिम उद्देश्य राष्ट्र निर्माण है।

पिछले वर्षों में 'एनएसएस' ने अनगिनत सफलताओं की कहानियाँ लिखी हैं। संगठन व स्वयंसेवकों के अथक प्रयासों ने सेवा कार्यों में बदलाव और उपलब्धियों के नए दौर का आगाज़ किया है जो निश्चित रूप से इस प्रकल्प की समय-सिद्ध दक्षता की ओर इंगित करता है। 'कोरोना' काल में स्वयंसेवकों का योगदान हो या अन्य अभियानों को नेतृत्व प्रदान करने की बात, सभी इस योजना की कार्य क्षमता का लोहा मानते हैं।

चाहे निरक्षरों को साक्षर करना हो या देश को खुले में शौच से मुक्त करने का अभियान, रक्तदान से जीवन बचाने का संकल्प हो या पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण हेतु 'वृक्ष गंगा रैली' या स्वच्छता अभियान, 'एनएसएस' ने हर स्तर पर समाज-सेवा की अलख जगाई है। लैंगिक समानता, बाल अधिकार संरक्षण, मानव अधिकार, वित्तीय और डिजिटल साक्षरता जैसे तमाम सामाजिक मुद्दों पर भी 'एनएसएस' ने जनजागरूकता पैदा की है। इन अभियानों ने समाज में 'एनएसएस' के महत्व को और अधिक सशक्त किया है।

भारत सरकार ने 'MYभारत' पोर्टल के माध्यम से 'एनएसएस' के स्वयंसेवकों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। इस पोर्टल के जरिए युवा स्वयंसेवक अपनी गतिविधियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत कर सकते हैं, इंटर्नशिप और अन्य कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं। इस पोर्टल पर प्रदर्शित प्रोफाइल व कार्य-दक्षता देखकर विभिन्न संगठन/संस्थाएं कुशल युवाओं का चयन कर सकेंगे जो युवाओं के कौशल उन्नयन की दिशा में एक सार्थक प्रयास होगा।

इस लंबे सफर के बाद 'एनएसएस' अब केवल एक योजना नहीं, बल्कि एक जीवनशैली बन चुकी है। 44 लाख से अधिक युवाओं के जीवन में सामाजिक जिम्मेदारी का भाव जगाने वाली यह योजना अपने उद्देश्यों को सफलतापूर्वक पूरा कर रही है। यह आवश्यक है कि शासन और नीति निर्माता इस योजना की निरंतरता सुनिश्चित करें और इसे नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के सार्थक प्रयास करें। 'एनएसएस' का प्रत्येक स्वयंसेवक अपने कार्यों से समाज में बदलाव लाने का माध्यम बन सकता है। स्वच्छता के राष्ट्रव्यापी अभियान को सामाजिक नेतृत्व प्रदान करने का कार्य यदि 'एनएसएस' को दिया जाए, तो हर स्थान पर इसकी सफलता की कहानियां दिखाई देंगी।

'एनएसएस' की इस अनवरत यात्रा की 55वीं वर्षगांठ पर हम सभी युवाओं से आह्वान करते हैं कि वे 'एनएसएस' से जुड़ें और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं। स्वैच्छिक रूप से शिक्षा के साथ-साथ समाज सेवा के कार्यों से अपने व्यक्तित्व को गढें। आज आवश्यकता है कि हम राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को समझें, समाज-सेवा को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं और मिलकर एक नए, सशक्त भारत का निर्माण करें। (सप्रेस)

स्वामी विवेकानंद एकेडमी में गरबा आयोजन को लेकर बैठक आयोजित

सुबह सवेरे सोहागपुर

स्वामी विवेकानंद एकेडमी परिसर में गरबा आयोजन को लेकर पूर्व नपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह चौधरी की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। बैठक में ओपन गरबा ,महिलाओ सुरक्षा के अलावा कई मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। एक ड्रीम टीम बना अनुभवी जनों को जोड़ संचालन सव्यवस्थित , सूक्ष्म नियोजन करने प्रस्ताव पारित किया गया। इस प्रतिनिधि को अमन मालवीय ने बताया कि वाटिका गार्डन में 7 एवं 8 अक्टूबर को

गरबा आयोजन शाम को 7 से 10, 30 तक होगा। इस आयोजन में आधार कार्ड की अनिवार्यता , ष्ष्टञ्जङ्क कैमरे व एक वर्ष तक रिकार्डिंग सुरक्षित रखने , महिला पुरुष व फैमली हेतु सुरक्षित अलग अलग मंडप , बिना पास प्रवेश निषेध , हिन्दू समाज के लिए ही नागरिकों को प्रवेश आदि विषयों की योजना बनाई गई ।बैठक का संचालन विवेक अमरवंशी एवं आभार अमन मालवीय ने व्यक्त किया। इस अवसर पर समाजसेवी कन्नूलाल अग्रवाल , पूर्व नपाध्यक्ष अभिलाष सिंह चंदेल ,अनिल गहैरेया सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

रोगों की रोकथाम को लेकर बैठक संपन्न

कीटनाशक दवाओं का किया गया छिड़काव

सुबह सवेरे सोहागपुर। कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देशानुसार नगर में बढ़ते डेंगू, चिकनगुनिया एवं मलेरिया के प्रकोप को ध्यान में रखते हुए आज मातापुरा वार्ड में कीटनाशक दवा एवं केर्सोलिक पाउडर का छिड़काव किया गया। इस अवसर पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री

राकेश मिश्रा, पार्षद प्रतिनिधि जगदीश अहिरवार,अमित परसाई,संजय पचौरी आदि उपस्थित थे।

बैठक का आयोजन- इसी संदर्भ को लेकर अनुविभागीय अधिकारी असवनराम चिरामन के निर्देश नगर पंचायत परिषद के सभा कक्ष में नगर के बढ़ रहे डेंगू,मलेरिया,चिकन गुनिया के प्रकोप की रोकथाम के लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी राकेश मिश्रा ने वार्ड प्रभारियों,आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आशा कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री मिश्रा ने सभी कर्मचारियों को डोर टू डोर सर्वे करने हेतु निर्देश दिया । वहीं आपने कहा कि वार्ड में किसी भी घर में छत पर,टायर ट्यूब, गमले इत्यादि स्थानों पर पानी जमा ना होने की समझाईस दी जाए।

प्रीति यादव ने रोशन किया देवास जिले का नाम

देवास। म.प्र. योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन की राज्य स्तरीय योग प्रतियोगिता इंदौर में 21 एवं 22 सितम्बर को आयोजित की गई थी। जिसमे देवास जिले की खातेगांव विकास खंड की स्पोर्टी विंग्स एकेडमी की खिलाड़ी प्रीति यादव का चयन राष्ट्रीय स्तर पर खेलो इंडिया के लिए हुआ। इस उपलब्धि पर खेल शिक्षक बालकृष्ण यादव, मनोज उपाध्याय, योगेश जानी, देवास योग एसोसिएशन के सचिव हजारीलाल जाट, शिवम

यादव, गणेश यादव, अंकित यादव, विजय यादव, नवीन यादव प्रसन्न यादव, परिणीता बागदरे, ऋतु सावनेर, रिंकी दिवाकर, सुखदा पौराणिक, देवास विकास खंड योग प्रभारी अशोक बुनकर, समाजसेवी मदन सिंह धाकड़, नवीन वर्मा सहित योग एवं खेल से जुड़े पदाधिकारियों ने प्रीति यादव को बधाइयाँ देते हुए आगामी आयोजित होने वाली खेलो इंडिया प्रतियोगिता में भी सफलता अर्जित करने अग्रिम शुभकामनाएं प्रदान की। उक्त जानकारी देवास योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनंत जोशी ने दी।

भगवान द्वारकाधीश के आंगन में भागवत ज्ञान गंगा की रसधारा , हर बीसा नीमा महाजन वैष्णव द्वारकाधीशमय नजर आ रहा..

भगवान श्रीकृष्ण की नगरी, सप्तपुरियों – चार धाम में से एक द्वारका का रज– रज, कण – कण वंदनीय है

भगवान द्वारकाधीश की पावन नगरी द्वारका से राजेश शर्मा

अरब सागर की लहरें मानों भगवान द्वारकाधीश का अभिषेक कर रही हो... राधे राधे- जय श्री कृष्ण - श्री हरि - ठाकुर जी का उद्घोष.. चहुंओर योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का गुणगान और द्वारका नगरी की महिमा का बखूबी बखान करता है। इस पावन नगरी की भोर जय द्वारकाधीश है तो शाम जय द्वारकाधीश है.. हर भक्त द्वारकाधीश की इस पावन नगरी को नमन कर ही अपनी चार धाम तीर्थ यात्रा, अपनी भक्ति को मानों पूर्णता पाता है - भगवान द्वारकाधीश की एक झलक पा कर तो वह अपने को धन्य मानता है... इस विराट नगरी की आत्मा में तो बस द्वारकाधीश बसे है... द्वारका की दिव्यता और पावनता इसी से सिद्ध होती है कि यह नगरी चारधाम में से एक है और सप्तपुरियों (सबसे पवित्र प्राचीन नगर) में भी एक है। यह श्रीकृष्ण के प्राचीन राज्य द्वारका का स्थल है और गुजरात की पहली राजधानी माना जाता है। तभी तो भगवान श्रीकृष्ण की नगरी, सप्तपुरियों - चार धाम में से एक द्वारका का रज- रज, कण - कण वंदनीय है.. ।

देव भूमि पर भागवत ज्ञान गंगा की रसधारा में मालवा और निमाड़ – इंदौर का बीसा नीमा समाज हुआ द्वारकाधीशमय...– इस दिव्य - पावन और धर्म धरा द्वारका में 21 सितंबर से 27 सितंबर तक भगवान द्वारकाधीश के आंगन में भागवत ज्ञान गंगा की रसधारा बह रही है , मालवा और निमाड़

- इंदौर के हर श्री बीसा नीमा महाजन समाज के वैष्णव द्वारकाधीशमय नजर आ रहे है ..। 1500 से अधिक समाज जनों की उपस्थिति में आयोजित श्रीमद्भागवत रसामृत महोत्सव का यह 19 वां वर्ष है। श्रीमद्भागवत रसामृत महोत्सव में युवा वैष्णवाचार्य प. पू. गो. 108 - श्री शरण कुमार जी महोदय श्री के मुखारविंद से भागवत कथा का रसपान किया जा रहा है। षष्ठपीठाधीश्वर प. पू. गो.108 श्री द्वारकेशलाल जी महाराज श्री, युवा वैष्णवाचार्य प. पू. गो.108 श्री आश्रयकुमार जी महोदय श्री की मंगलमय उपस्थिति में श्रीमद्भागवत रसामृत महोत्सव में धर्म गंगा इस पावन नगरी में बह रही है। श्रीमद्भागवत रसामृत महोत्सव के मुख्य मनोरथी चंद्रशेखर मोतीलाल महाजन (नन्नू सेठ) , मनीष महाजन, धार है।

19 वर्षो से बीसा नीमा महाजन समाज श्रीमद्भागवत रसामृत महोत्सव का आयोजन कर रहा है

श्री बीसा नीमा महाजन समाज केंद्रीय परिषद एवं श्री बीसा नीमा महाजन भागवत ज्ञानयज्ञ समिति मालवा- निमाड़ - इंदौर 19 वर्षो से श्रीमद्भागवत रसामृत महोत्सव का आयोजन कर रहा है , लगातार आयोजन प्रशंसनीय है ।

जगत मंदिर के रूप में ख्याति है द्वारिकाधीश मंदिर की

द्वारका को भगवान श्रीकृष्ण की नगरी कहा गया है.द्वारिकाधीश मंदिर जगत मंदिर के रूप मे जाना जाता है कृष्ण मंदिर उसी जगह है, जहां हजारों साल पहले द्वापर युग में भगवान कृष्ण का निवास स्थाल हरि गृह हुआ करता था. मान्यता है कि इस मंदिर का निर्माण भगवान श्री कृष्ण के परपोते वज्रनाभ ने करवाया है. मंदिर भारत में हिंदुओं द्वारा पवित्र माने जाने वाले चार धाम तीर्थ का हिस्सा है।

पितृ पक्ष के अवसर पर अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए उनकी आत्मा की शांति व सद्गति के निमित्त तर्पण, पिंडदान व पितृ यज्ञ सम्पन्न

पितृ यज्ञ में श्रद्धालुओं ने अपनी एक बुराई छोड़ कर एक अच्छाई ग्रहण की

देवास। गायत्री शक्तिपीठ साकेत नगर एवं गायत्री प्रज्ञापीठ विजयनगर पर पितृ पक्ष के अवसर पर अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए उनकी आत्मा की शांति व सद्गति के निमित्त तर्पण, पिंडदान एवं पितृ यज्ञ किया गया जिसमें बड़ी संख्या में महिला-पुरुषों ने भाग लिया । गायत्री शक्तिपीठ के मीडिया प्रभारी विक्रमसिंह चौधरी ने बताया कि भारतीय संस्कृति में यह तथ्य घोषित किया गया है कि मृत्यु के साथ जीवन समाप्त नहीं होता, अनन्त जीवन श्रंखला की एक कड़ी मृत्यु भी है इसलिए संस्कारो के क्रम में जीव की उस स्थिति को भी बांधा गया है । जब वह एक जन्म पूरा करके अगले जन्म की ओर उन्मुख होता है तो कामना की जाती है कि सम्बंधित जीवात्मा का अगला जीवन पिछले की अपेक्षा अधिक सुसंस्कार बने इस निमित्त जो कर्मकांड किये जाते है, उसका लाभ जीवात्मा को क्रिया-कर्म करने वालों की श्रद्धा के माध्यम से ही मिलता है। इसीलिए मरणोत्तर संस्कार को श्राद्धकर्म भी कहा जाता है। इसी के निमित्त गायत्री शक्तिपीठ साकेत नगर एवं गायत्री प्रज्ञापीठ विजय नगर पर परम पूज्य गुरु सत्ता की सूक्ष्म उपस्थिति एवं संरक्षिका दुर्गा दीदी के सानिध्य में रविवार को तर्पण, पिंड़दान एवं पितृ यज्ञ किया गया जिसमें 45 भाईयों एवं 24 बहनों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया । पितृ यज्ञ में श्रद्धालुओं ने अपनी एक बुराई छोड़ कर एक अच्छाई ग्रहण की । गायत्री शक्तिपीठ एवं गायत्री प्रज्ञापीठ द्वारा सम्पूर्ण व्यवस्था निःशुल्क की जाती है । कार्यक्रम में राजेंद्र पोरवाल, शेष नारायण परमार, अरुणेद्र सोनी, बी. एम. विजयवर्गीय, भरतसिंह झाला, सुभाष धोते, ओ. पी. श्रीवास्तव, नीति श्रीवास्तव, अमिता झाला, मंजुला सोनी, राधा राठौर, सुशीला परमार, दिनेश बरड़े, प्रदीप दुबे बी. एल. कुमावत, कैलाशसिंह ठाकुर, केशव पटेल आदि उपस्थित थे । कर्मकांड का संचालन गायत्री शक्तिपीठ पर रामनिवास कुशवाह एवं गायत्री प्रज्ञापीठ पर ज्ञानदेव बोड़खे द्वारा किया गया । कार्यक्रम में शामिल सभी श्रद्धालुओं का आभार मुख्य प्रबन्ध ट्रस्टी महेश पंड्या एवं राजेंद्र पोरवाल ने माना । श्री चौधरी ने आगे बताया कि गायत्री शक्तिपीठ एवं गायत्री प्रज्ञापीठ पर अगले रविवार 29 सितम्बर एवं सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या 02 अक्टूबर बुधवार को भी तर्पण व पिंडदान निःशुल्क किया जाएगा।

किंडर हाई सेकेंडरी स्कूल के खिलाडियों ने जीते पदक

देवास। 22 सितम्बर को इंदौर में राज्य स्तरीय क्वांकाइडो प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें इंदौर, उज्जैन, धार, देवास, झाबुआ, अली राजपुर व अन्य कई जिलों के

प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। प्रतियोगिता में देवास जिले के किंडर हाईसेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थी चिरायु मोदी, अक्षय चौधरी, हर्ष मालवीय ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। वंश वर्मा, अशद खान ने रजत पदक प्राप्त किया। आदर्श गोयल ने कांस्य पदक प्राप्त किया। सभी विद्यार्थियों का नेशनल के लिए चयन किया गया। किंडर परिवार ने सभी खिलाडियों को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

चारों धाम तीर्थ पर गए यात्रियों का मां चामुंडा सेवा समिति ने किया स्वागत

देवास। केदारनाथ, बद्रीनाथ सहित चारों धाम तीर्थ यात्रा पर गए समिति पदाधिकारी समाजसेवी कमलाबाई राठौड़, उम्मेद सिंह राठौड़, देवकुंवर राठौड़, मोहन सिंह लोवंशी, अनु बाई लोवंशी सहित तीर्थ यात्रा में शामिल अन्य यात्रियों का मां चामुंडा सेवा समिति द्वारा

पुष्पमालाओं से आत्मीय स्वागत किया गया। ढोल ढमाके के साथ आतिशबाजी करते हुए जुलूस के रूप में उन्हें रेलवे स्टेशन तक ले जाया गया। मां चामुंडा सेवा समिति पदाधिकारी समाजसेवी रामेश्वर जलोदिया, नरेंद्र मिश्रा, नारायण व्यास इंदर सिंह गोड, शशिकांत गुप्ता, दिनेश सांवलिया, सुशील शिंदे, राधेश्याम बोडाना, कमल चौहान, राजेश गोस्वामी, समिति की मात्र शक्तियों मंजू जलोदिया, दुर्गा व्यास, संगीता जोशी, प्रेमलता चौहान ने तीर्थ यात्रियों का स्वागत कर व मुंह मीठा करा कर सफल तीर्थ यात्रा की मंगल कामनाएं की गई। इस अवसर पर समिति पदाधिकारी समाजसेवियों सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

भारत को जानो प्रतियोगिता का आयोजन

देवास। भारत विकास परिषद द्वारा 22 सितंबर रविवार को भारत को जानो प्रतियोगिता का आयोजन शाम 5 बजे इनोवेटिव स्कूल इटावा देवास मे किया गया। प्रतियोगिता में एवरेस्ट स्कूल की टीम कुलदीप भाटिया और पियूष सोनी विजेता रहे व इन्नोवेटिव स्कूल की टीम नवीन सिंह चंदेल व शीनम खान उपविजेता रहे। एवरेस्ट स्कूल की टीम के बच्चे 6 अक्टूबर को नीमच में होने वाली भारत को जानो प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। परिषद के सदस्यों ने उपस्थित रहकर ज्ञानवर्धक कार्यक्रम मे बच्चो का मनोबल बढ़ाया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक प्रकृति बांठिया, पुष्पा बर्डिया, सोनल गुप्ता, सचिव अन्तिम अग्रवाल, देवास शाखा अध्यक्ष मिनाराव, कोषाध्यक्ष शालिनी चव्हाण, एवं भारत विकास परिषद के सदस्य उपस्थित रहे। उक्त जानकारी परिषद के मीडिया प्रमुख कीर्ति चव्हाण ने दी।

सेवा सप्ताह के अंतर्गत निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

देवास। सेवा सप्ताह के अन्तर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ एवं महिला मोर्चा द्वारा आयुष्मान योजना के शुभारंभ अवसर पर संजीवनी क्लिनिक मेंडकी चाणक्यपुरी में 60 साल से ऊपर की महिलाओं के लिए निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर के मुख्य अतिथि भाजपा के जिला अध्यक्ष राजीव खंडेलवाल एवं अध्यक्षता चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक डॉ जसमत सिंह यादव ने की । अतिथियो ने पंडित दीनदयाल जी के चित्र पर माल्यार्पण कर शिविर का शुभारम्भ किया। शिविर में डॉ जे एस यादव, डॉ सपना राजा स्त्रीरोग विशेषज्ञ, सिस्टर ममता निगम, सिस्टर राजमणि सिनम, सिस्टर प्रियंका तोमर एवं विपीन वर्मा ने अपनी सेवा दी। शिविर में अनेक माता बहनों ने चिकित्सा का लाभ लिया। इस अवसर पर मधु शर्मा, सावित्री चौधरी, कुसुम नागोत्री, मीना भावलकर, विभा दुबे, केशव सोनी, अशोक पोरवाल, बाबूलाल चौधरी संकेत रॉय, राहुल गोस्वामी आदि कारकर्ताओ ने शिविर में अपना योगदान दिया। आभार भाजपा महिला मोर्चा की जिला कार्यकारिणी सदस्य पुष्पलता सोनगरा ने माना।

सड़कों पर उतरे किसान, प्रशासन को झुकना पड़ा

सिवनी मालवा में टिकैत की चेतावनी के बाद हटाए बैरिकेड्स; मंडी परिसर में की सभा

नर्मदापुरम (नप्र)। नर्मदापुरम जिले के सिवनी मालवा में भारतीय किसान यूनियन ने सोमवार को ट्रैक्टर रैली निकाली। उनकी मांग है कि सोयाबीन, धान और गेहूं का समर्थन मूल्य बढ़ाया जाए। सभास्थल की अनुमति को लेकर किसानों के आगे प्रशासन को झुकना पड़ा। भीड़ और किसान नेता राकेश टिकैत की मांग पर मंडी का मेन गेट खोल दिया गया। किसान और कार्यकर्ता मंडी परिसर के अंदर आ गए। जहां किसान नेता राकेश टिकैत की मौजूदगी में सभा की गई।

इससे पहले, प्रशासन ने यूनियन को 500 ट्रैक्टर की रैली

निकालने की अनुमति तो दी, लेकिन अनाज मंडी परिसर में सभा की परमिशन नहीं दी थी। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत मंडी परिसर में सभा के लिए अड़े थे। प्रशासन ने मंडी ब्रिज के पास डायवर्सन रोड पर सभा करने का सुझाव दिया था।टिकैत ने कहा था- 'अनुमति देने वाला प्रशासन कौन होता है। आयोजन मंडी में ही होगा। प्रशासन किसानों की आवाज को दबाने में लगा है।' इसके बाद मंडी परिसर के बाहर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया।हंगामे की आशंका को देखते हुए जिले के लगभग सभी थानों से पुलिस बल बुलाया गया।

टिकैत बोले- यह अत्याचार है

किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा- सिवनी मालवा मंडी परिसर में प्रशासन पंचायत नहीं करने दे रहा। यह अत्याचार है। क्या यह गुजरात बन चुका है? क्या मध्य प्रदेश के किसानों को आवाज उठाने का अधिकार नहीं है? अगर मंडी के अंदर मीटिंग नहीं होती है, तो प्रदेश में कहीं मीटिंग नहीं करने देंगे।

मंडी जाएंगे या गिरफ्तारी देंगे- टिकैत ने कहा था- मध्यप्रदेश के किसान को सोयाबीन का 6 हजार से ऊपर का रेट देना चाहिए। प्रशासन ज्यादा हाव-ताव न करें। उन्होंने रविवार को कहा था जो किसान ट्रैक्टर लेकर आ रहे हैं, वे सभी सिवनी मालवा मंडी पहुंचेंगे। वहीं सरकार को ज्ञापन देंगे। प्रशासन कह रहा है कि हम दूसरी जगह देंगे। लेकिन मंडी तो किसानों की जगह है, इसलिए या तो सभा वहां करेंगे या हम लोग गिरफ्तारी देंगे।

1600 आईफोन लूटे फिर ऑनलाइन और चोर बाजार में बेचे

- **सागर में एपल कंपनी के कंटेनर में लूट के आरोपी हरियाणा में छिपे;200 सेट बरामद**

सागर (नप्र)। सागर में लखनादौन-झांसी हाईवे पर कंटेनर से 1600 आईफोन लूटने वाले बदमाशों का नाम-पता मिल गया है। 14-15 अगस्त 2024 की दरमियानी रात ये वारदात हरियाणा के मेवाती गैंग ने की। कंटेनर चेन्नई से दिल्ली जा रहा था। इसमें 3980 आईफोन लोड थे। लूटे गए 1600 आईफोन की कीमत 12 करोड़ रुपए है।

हरियाणा में चुनाव हैं, इसीलिए लोकल पुलिस की मदद नहीं मिलने से सागर पुलिस बदमाशों तक नहीं पहुंच पा रही है। सागर पुलिस ने अपने स्तर पर बदमाशों के ठिकानों पर दो से तीन बार दबिश दी, लेकिन वे हाथ नहीं आए। लूटे गए आईफोन के ऑन होने पर एपल कंपनी ही इन्हें ट्रेस कर इनपुट पुलिस को दे रही है।

पुलिस को इनपुट मिला है कि बदमाशों ने चोर बाजार और ऑनलाइन शॉपिंग साइट्स के जरिए आईफोन देश से बाहर तक बेच दिए हैं। अब तक अलग-अलग लोकेशन से 200 से ज्यादा लूटे गए आईफोन भी बरामद कर लिए गए हैं। मुख्य बदमाश की धरपकड़ के लिए पुलिस की 7 टीमें अलग-अलग जगहों पर घात लगाए हुए हैं। तीन साल पहले भी मोबाइल लूटे गए थे।

गाय-बैल की शादी; मेहंदी, फेरे, रिसेप्शन भी हुआ

बारात में डीजे पर नाचे बाराती; मांग भरने, मंगलसूत्र पहनाने की रस्म भी हुई

उज्जैन (नप्र)। श्राद्ध पक्ष में वैसे तो कोई शुभ कार्य नहीं किया जाता, लेकिन धार्मिक मान्यताओं के आधार पर उज्जैन में गाय - बैल की शादी हुई। दूल्हा बैल, दुल्हन गाय थी। शादी में मेहंदी, बारात, फेरे और मांग भरने से लेकर मंगलसूत्र पहनाने की रस्म भी हुई। रिसेप्शन भी हुआ।

यह अनोखा विवाह उज्जैन विष्णुपुरा में तेजाजी धाम मंदिर में हुआ। प्रोफेसर डॉक्टर भवानी शंकर शास्त्री शहर के चारधाम मंदिर के पास कॉलेज में पदस्थ हैं। उन्होंने बताया कि वे विष्णु पुराण और हिंदू मान्यताओं के दूसरे धार्मिक ग्रंथ पढ़ते रहते हैं। धार्मिक ग्रंथों से ज्ञात हुआ कि श्राद्ध पक्ष में गाय और बैल की शादी कराने से प्रेत योनि से मुक्त होकर 10 पीढ़ी आगे और 10 पीढ़ी पीछे तक को स्वर्ग मिलता है। इसी कारण विवाह का आयोजन कराया। उन्होंने बताया कि आम शादी में जो कार्यक्रम - परंपराएं होती हैं, सभी सुबह से लेकर शाम तक एक ही दिन में किए गए। शाम को बैल (तेजा) और गाय (पेमल रानी) के फेरे कराए गए। मंदिर में ही रिसेप्शन हुआ।

डीजे और बैंड - बाजे के साथ निकली बारात- मेहंदी के साथ बैल और गाय को तेल चढ़ाया गया। इसके बाद ढोल और डीजे के साथ तेजा की बारात निकली। बाराती डीजे पर नाचते - गाते गाय के माता-पिता बने शुक्ला परिवार के घर पहुंचे। बाकायदा बारातियों को स्वागत - सत्कार किया गया। तेजाजी मंदिर में शाम को विवाह हुआ। हिंदू रीति के अनुसार सात फेरे, पग पूजन, कन्यादान हुआ। मंगलसूत्र पहनाने और मांग भरने की रस्में भी हुईं।

ढाबे में बंधक बनाकर युवती से गैंगरेप

पीड़िता बोली- ट्रक वाले को सौंप रहे थे, बाउंड्री कूदकर भागी; अर्धनग्न-बदहवास हालत में मिली

सतना (नप्र)। मैहर में एक ढाबे में बंधक बना कर युवती से गैंगरेप किया गया। रविवार को वो अर्धनग्न और बदहवास हालत में अमदरा थाना क्षेत्र में मिली। युवती शनिवार (21 सितंबर) को सतना से लापता हुई थी। शुरुआती तफ्तीश और मेडिकल जांच के बाद गैंगरेप की पुष्टि हुई है।

पीड़िता रविवार दोपहर जब कुसेड़ी स्थित उन्नयन केंद्र पहुंची तो वहां कृषि विभाग का प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहा था। उसकी हालत देख कर जब वहां मौजूद लोगों ने पूछा तो युवती ने आपबीती बताई। युवती शनिवार को प्रदर्शनी देखने निकली थी। पुलिस ने दिनेश उर्फ गुड्डू, अर्जुन, विक्की और रज्जी को पकड़ा है। लड़की का आरोप है कि इन चारों ने उसके साथ गैंगरेप किया है।

पीड़िता बोली- टॉयलेट के बहाने बाउंड्री कूदकर भागी- युवती जब उन्नयन केंद्र पहुंची तो एक युवक उसका पीछा करते हुए आया, जबकि एक बाइक लेकर छिपा बैठा था। वहीं, युवती ने लोगों से बताया कि ढाबे में बंधक बनाकर उसके साथ 6 बार रेप किया गया। इसके बाद किसी ट्रक वाले को सौंपने की बात चल रही थी। ये बात सुनकर वह टॉयलेट के बहाने बाउंड्री वॉल कूद कर भाग निकली।

पीछा कर रहे युवक ने अपनी मौसेरी बहन बताया- नदी के पास एक ऑटो रिक्शा मिला। जिसमें सवार लोग कुसेड़ी आ रहे थे, वही लोग यहां ले आए। पीछा करते हुए पहुंचे युवक की ओर इशारा करते हुए लोगों को बताया कि गलत काम करने वालों में वह भी शामिल था। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने बताया कि पूछने पर युवक ने युवती को मौसेरी बहन और मानसिक विक्षिप्त बताया।

बाइक लेकर छिपे साथी को भी लोगों ने पकड़ा- इसी दौरान मध्यांचल ग्रामीण बैंक के पास

बाइक लेकर छिपे एक और युवक को कुछ लोगों को भेजकर पकड़वाया गया। उसे भी देखते ही युवती ने बताया कि इसने गलत काम किया है। इसकी जानकारी अमदरा टीआई संजय दुबे और सतना एसपी आशुतोष गुप्ता को दी गई। अमदरा पुलिस आई और युवती के साथ दोनों युवकों को ले गई।

मां को लेकर देर रात पहुंची सिविल लाइन पुलिस- सिविल लाइन पुलिस के मुताबिक युवती की गुमशुदगी रविवार दोपहर ही दर्ज कराई गई थी। वह शनिवार को प्रदर्शनी देखने निकली थी। इस दौरान उसने किसी और के फोन के जरिए बताया था कि वह बस स्टैंड के पास है। लेकिन फिर लौट कर घर नहीं पहुंची। उसके कुसेड़ी में मिलने की जानकारी मिलने के बाद देर रात सिविल लाइन पुलिस युवती की मां को लेकर अमदरा पहुंची। मैहर से महिला पुलिस अधिकारी को भी अमदरा भेजा गया।

गैंगरेप के तीन आरोपी यूपी के रहने वाले

सिविल लाइन थाना पुलिस ने 12 घंटे के अंदर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें तीन आरोपी मानिकपुर (यूपी) के रहने वाले हैं। एक मैहर का रहने वाला है। दो आरोपियों को रात में ही पकड़ा गया था। दो को सोमवार सुबह मानिकपुर से लाया गया।

गुड्डू उर्फ दिनेश गुप्ता(23), मानिकपुर, यूपी
विक्की केशरवानी (23) मानिकपुर, यूपी
रज्जी केवट (30), मानिकपुर, यूपी
अर्जुन पटेल (21) रूपगंज थाना, मैहर

नागरिकों की सुविधा के लिए अधोसंरचनाओं में किया जा रहा है निरंतर और सुनियोजित विस्तार: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि रीवा क्षेत्र का विकास तीव्र गति से हो रहा है, जिससे अधोसंरचनाओं पर दबाव बढ़ रहा है। नागरिकों की सुविधा के लिए अधोसंरचनाओं में निरंतर और सुनियोजित विस्तार किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय में विंध्य क्षेत्र में एमपीआरडीसी के वृहद सड़क निर्माण कार्यों की समीक्षा की।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों और निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिए कि कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता पर समय सीमा में पूर्ण करें।

रीवा बायपास फोर-लेन मार्ग निर्माण कार्य नवम्बर से होगा प्रारंभ- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा बायपास फोर-लेन, सीधी-सिंगरौली फोर-लेन, शहडोल-उमरिया टू-लेन, और रीवा-ब्यौहारी-टेटका मोड़-शहडोल मार्ग की प्रगति की वृहद समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि कार्य संचालन के लिए आवश्यक स्वीकृतियों और अनुमतियों की कार्रवाई शीघ्रता से पूरी की जाए। बताया गया कि रीवा बायपास फोर-लेन मार्ग के लिए आरओडब्ल्यू (राइट ऑफ वे) की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है और नवम्बर माह में निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सीधी-सिंगरौली मार्ग में निर्माणाधीन गोपद पुल को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए।

ट्राइबल स्टूडेंट्स फ्री में कर सकेंगे जेईई, नीट, क्लेट यूपीएससी कोचिंग

डीपीआर तैयार, 89 आदिवासी ब्लॉक में शुरू होगी ट्रेनिंग अकादमी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के आदिवासी वर्ग के स्टूडेंट्स को प्रतियोगी परीक्षाओं की फ्री कोचिंग मिल सकेगी। जनजातीय वर्ग के विद्यार्थियों को ऑल इंडिया लेवल की परीक्षाओं की तैयारी कराने के लिए राज्य सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। आदिवासी वर्ग के विद्यार्थियों को बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल कराने के लिए फ्री कोचिंग दी जाएगी।

इसके लिए सरकार प्रदेश के सभी जनजातीय विकासखंडों में रानी दुर्गावती प्रशिक्षण अकादमी शुरू करने जा रही है। इस ट्रेनिंग अकैडमी के जरिए जनजातीय विद्यार्थियों को जेईई, नीट, क्लेट और यूपीएससी जैसी राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर की बड़ी परीक्षाओं के लिए फ्री कोचिंग देकर इन्हें परीक्षाओं में सफलता के गुर सिखाएं जाएंगे।

आकांक्षा योजना से मिलती है दो शहरों में फ्री कोचिंग- आकांक्षा योजना के अंतर्गत वर्तमान में आदिवासी वर्ग के स्टूडेंट्स को जेईई, नीट, क्लेट की तैयारी के लिये भोपाल, इंदौर एवं जबलपुर में कोचिंग दी जा रही है। ऑल इंडिया सर्विस की परीक्षा की तैयारी कराने के लिये निजी कोचिंग संस्थाओं के जरिए विद्यार्थियों को कोचिंग दी जा रही है। अब सभी ट्राईबल ब्लॉकों में जनजातीय विद्यार्थियों को इस तरह की सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की फ्री कोचिंग का लाभ देने के लिये योजना की संशोधित डीपीआर तैयार कर ली गई है। शासन से स्वीकृति मिलते ही रानी दुर्गावती प्रशिक्षण अकादमी प्रारंभ कर दी जायेंगी।

मैपसेट के जरिए भी दिए जा रहे प्रशिक्षण

जनजातीय कार्य विभाग के अधीन संचालित प्रशिक्षण संस्था मध्यप्रदेश रोजगार एवं प्रशिक्षण परिषद् (मैपसेट) के माध्यम से वर्तमान में पीव्हीटीजी समूह एवं एसटी, एससी वर्ग के स्टूडेंट्स के लिये कई प्रकार की स्किल ट्रेनिंग भी दी जा रही है। मैपसेट द्वारा पीव्हीटीजी समूह के 122 विद्यार्थियों के लिये आईसेक्ट के जरिये (मण्डला, डिण्डौरी, शहडोल, शिवपुरी एवं तामिया जिला छिंदवाड़ा में) एसटी वर्ग के 87 विद्यार्थियों के लिये (इंडस्ट्री बेस्ड, सेन्टर बेस्ड एवं सिपेट भोपाल में) तथा एससी वर्ग के 27 विद्यार्थियों के लिये (सिपेट भोपाल एवं ग्वालियर में), कुल 236 प्रशिक्षणार्थियों को कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मैपसेट द्वारा पिछले साल (2023-24) में कुल 16 हजार 409 प्रशिक्षणार्थियों को स्किल ट्रेनिंग दी गई। इनमें से 8 हजार 287 प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न कंपनियों, फर्मों में प्लेसमेंट मिल गया है। आगामी वर्षों में कुल 29 हजार 40 जनजातीय युवाओं को प्रशिक्षण देने के लिये मेपसेट तेजी से कार्य कर रहा है। इसको विभिन्न प्रशिक्षण संस्थाओं का एम्पैनलमेंट किया जा रहा है।

रेप के आरोपी टीचर का न वेरिफिकेशन, न डॉक्यूमेंट देखे

भोपाल में बच्ची से रेप केस में स्कूल की लापरवाही; एसडीएम ने सौंपी रिपोर्ट

भोपाल (नप्र)। भोपाल के प्राइवेट स्कूल में 3 साल की बच्ची से रेप के मामले में स्कूल प्रबंधन की लापरवाही सामने आई है। टीटी नगर एसडीएम डॉ. अर्चना शर्मा रावत ने सोमवार को रिपोर्ट बनाकर कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को सौंप दी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक स्कूल प्रबंधन ने आरोपी टीचर का न तो वेरिफिकेशन किया और न ही डॉक्यूमेंट चेक किए थे।

एसडीएम ने बताया कि जांच में लापरवाही पाई गई है। स्कूल मैनेजमेंट अलर्ट रहता, तो शायद घटना नहीं होती। जांच के दौरान स्टाफ, पेरेंट्स और बच्चों से बात की गई थी। स्कूल की मान्यता रद्द करने का फैसला कमेटी लेगी।

इससे पहले, शनिवार को बाल आयोग की टीम ने स्कूल का दौरा कर केस से जुड़ी अहम जानकारियां मांगी थीं, जो स्कूल की ओर से टीम को मुहैया करा दी गई हैं। केस की जांच कर रही एसआईटी ने भी स्कूल की प्रिंसिपल, बच्ची की क्लास टीचर, क्लास रूम में तैनात दो अन्य लोगों के बयान लिए हैं। पुलिस मंगलवार तक चालान पेश कर सकती है।गुरुवार को एबीवीपी और हिंदू संगठन के लोगों ने स्कूल और आरोपी टीचर पर सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था।

जिला शिक्षा केंद्र ने वेरिफिकेशन को लेकर लिखा है लेटर

ये मामला सामने आने के बाद पुलिस और प्रशासन एक्शन में आया है। जिला शिक्षा केंद्र ने सभी प्राइवेट स्कूलों के प्राचार्यों को 19 सितंबर को लेटर जारी किया कि उनके यहां सभी शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक स्टाफ का चारित्रिक व पुलिस वेरिफिकेशन करवाएं। जिसके बाद करीब 100 स्कूलों से जानकारी मिल भी चुकी है।

भोपाल में नर्सरी, प्रायमरी, मीडिया, हाई और हायर सेकंडरी स्कूलों की संख्या 1560 हैं। वहीं, 433 मदरसे हैं। एक स्कूल या मदरसे में औसत 20 कर्मचारियों के स्टाफ के हिसाब से मानें तो करीब 40 हजार लोगों का स्टाफ है।जिला शिक्षा केंद्र ने सभी प्राइवेट स्कूलों को स्टाफ का वेरिफिकेशन करने के संबंध में लेटर जारी किया था।

- **अच्छा रिकॉर्ड नहीं या आपराधिक केस वालों को नहीं रख सकते-** प्रभारी डीपीसी ओपी शर्मा ने बताया कि प्राइवेट स्कूल और मदरसे के लिए आदेश जारी

किए हैं। स्कूल संचालक या प्रिंसिपल से कहा गया है कि वे स्टाफ की जानकारी दें। उन पर आपराधिक मामला तो नहीं? पुलिस वेरिफिकेशन करवाएं और फिर रिपोर्ट ऑफिस में दें। वहीं, नए स्टाफ को रखते समय पुलिस वेरिफिकेशन जरूर करवाएं। रिकॉर्ड अच्छा नहीं है या फिर आपराधिक मामला हो, तो ऐसे व्यक्ति को नहीं रखा जा सकेगा। बावजूद ऐसा होता है, तो स्कूल के संबंध में कार्रवाई की जाएगी। इनका वेरिफिकेशन जरूरी- विषय विशेषज्ञ शिक्षक, खेल शिक्षक, केयर टेकर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, गार्ड, सफाईकर्मी, माली, बस ड्राइवर, कंडक्टर, बिजलीकर्मी, क्लीनर।

- **चार दिन पहले हिंदू संगठनों ने किया था स्कूल पर प्रदर्शन-** बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आने के दूसरे दिन गुरुवार को हिंदू संगठनों ने स्कूल में प्रदर्शन किया था। जिसके बाद स्कूल को सील कर दिया गया था। प्रदर्शन करने वालों में एबीवीपी, करणी सेना, संस्कृति बचाओ मंच के कार्यकर्ता, नूतन कॉलेज समेत कुछ प्राइवेट कॉलेज के स्टूडेंट्स शामिल हुए थे।

उनकी मांग थी कि स्कूल की मान्यता रद हो, आरोपी टीचर कासिम रेहान (33) को फांसी की सजा दी जाए।

- **स्कूल में छात्र - छात्राओं के सुरक्षा इंतजामों की जांच-** कमला नगर स्थित स्कूल में बच्ची के साथ रेप का मामला बुधवार को सामने आया था। आरोपी स्कूल का आईटी प्रोफेशनल था। प्रदर्शन के बाद टीटी नगर एसडीएम डॉ. अर्चना रावत शर्मा ने स्कूल के अंदर से अनाउंस किया कि स्कूल की मान्यता रद्द करने को लेकर प्रस्ताव बना रहे हैं। डॉ. रावत ने धरना दे रहे लोगों को नियम भी समझाया कि यह प्रस्ताव कमेटी में जाएगा, फिर मान्यता रद्द करने की कार्रवाई होगी, इसलिए धरना प्रदर्शन खत्म कर दें। स्कूल की अनियमितताओं की जांच के लिए कमेटी का गठन किया गया था। 4 सदस्यीय जांच समिति ने 3 दिन में स्कूल में छात्र - छात्राओं के सुरक्षा इंतजाम के पॉइंट पर जांच की है।

जांच समिति में ये 4 अफसर

1. डॉ. अर्चना शर्मा, एसडीएम, टीटी नगर
2. सुनील सोलंकी, कार्यक्रम अधिकारी, महिला बाल विकास विभाग, भोपाल
3. एनके अहिरवार, जिला शिक्षा अधिकारी
4. ओमप्रकाश शर्मा, जिला समन्वयक, शिक्षा केंद्र